

दुनिया के कई देशों में आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है पाकिस्तान

पाकिस्तान की नरम में है आतंकवाद का गंदा कीड़ा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर से काबुल, मास्को से लंदन तक आतंकवाद को प्रायोजित करने, आतंकियों आतंकी हमलों में पाकिस्तान के आतंकी को पनाह देने और उन्हें दुनियाभर में भेजने नेटवर्क का खुलासा होता रहा है। भारत की



हमले में पाकिस्तान का हाथ साफ तौर पर सामने आया था। अजमल कसाब जिंदा न के लिए मजबूर किया जा सके और पकड़ा जाता तो पाकिस्तान इसे भी झुठला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर मुद्दा उठाया जा

भारत, अफगानिस्तान, रूस, ब्रिटेन, ईरान, फ्रांस समेत कई घटनाओं में हाथ आतंकी ओसामा बिन लादेन को दी थी शरण, अमेरिका ने घुस कर मारा था

में पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड फिर से दुनिया के सामने आ गया है। दशकों से पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल सीमापार आतंकवाद, चरमपंथी विचारधारा के लिए लॉन्चपैड के लिए किया जाता रहा है।

ओर तैयार किए डोजियर में दुनियाभर की आतंकी हमलों का जिक्र किया गया है। इसमें पाकिस्तानी नेताओं के बयानों को भी शामिल किया गया है। वर्ष 2018 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने संकेतों में कहा था कि 2008 के मुंबई हमलों में पाकिस्तान सरकार की भी भूमिका

लश्कर-हिजबुल को पालता रहा, अब बांग्लादेश के आतंकियों को दे रहा पैसा पूरे पाकिस्तान में फैले हैं आतंकियों के प्रशिक्षण शिविर, सेना देती है ट्रेनिंग

देता। पूर्व पाकिस्तानी सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने भी स्वीकार किया था कि सेना ने जम्मू-कश्मीर में भारत से लड़ने के लिए आतंकवादी समूहों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने माना था कि सरकार ने जानबूझकर इसकी अनदेखी की ताकि भारत को वार्ता के लिए मजबूर किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर मुद्दा उठाया जा सके। अभी हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने माना कि देश ने तीन दशकों से अधिक समय तक आतंकवादी समूहों का समर्थन किया, जिसे उन्होंने अमेरिकी नेतृत्व

विश्व ऑडियो विजुअल और इंटरटेनमेंट समिट में बोले प्रधानमंत्री मोदी

संवेदनशीलता और मानवता को बढ़ावा देना लक्ष्य होना चाहिए

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में विश्व ऑडियो विजुअल और इंटरटेनमेंट समिट-2025 (वेक्स) का उद्घाटन किया और इसे सृजनात्मकता का वैश्विक उत्सव बताया। उन्होंने कहा कि यह भारत में सृजन करें, विश्व के लिए सृजन करें की अवधारणा को अपनाने का एकदम सही समय है। इसान की समृद्धि सूचनाओं के पहाड़ से नहीं आएगी, ये तकनीक की गति और पहुंच से भी नहीं आएगी। इसके लिए हमें गीत, संगीत, कला, नृत्य को महत्व देना होगा। प्रधानमंत्री ने समिट



हमें गीत, संगीत, कला, नृत्य, संस्कृति को महत्व देना होगा

में गुरुदत्त, पी. भानुमति और ऋत्विक् घटक सहित भारतीय सिनेमा के पांच दिग्गजों के नाम पर स्मारक डाक टिकट भी जारी किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि वेक्स केवल शब्द-संक्षेप नहीं है।

बल्कि यह संस्कृति, रचनात्मकता, फिल्में, संगीत, गेमिंग, कहानी कहने की शैली की एक लहर है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक जगत का आह्वान करते हुए कहा, भारत की हर गली में

एक कहानी है। मैं हमेशा कहता हूँ, यही समय है, सही समय है। यह भारत में सृजन करने और विश्व के लिए सृजन करने का सही समय है। आज जब विश्व कहानी कहने के नए-नए तरीके खोज रहा है, भारत के पास हजारों वर्षों की कहानियों का खजाना है और यह खजाना कालातीत, विचारोत्तेजक और सही मायने में वैश्विक है। प्रधानमंत्री ने रचनात्मक जिम्मेदारी के विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि 21वीं सदी की तेज-तर्रार, तकनीक-संचालित दुनिया में हर व्यक्ति के जीवन में टेक्नोलॉजी की भूमिका बढ़ती जा रही है। ऐसे में मानवीय संवेदनाओं को बनाए रखने के लिए

आतंक के पनाहगार पाकिस्तान मनोवैज्ञानिक दबाव में

नौसेना ने अरब सागर में तेज किया अभ्यास

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम की आतंकी हरकत के बाद भारत के हमले की आशंका से पाकिस्तान मनोवैज्ञानिक दबाव में है। वायुसेना के युद्धाभ्यास के फौरन बाद अरब सागर में भारतीय नौसेना का युद्धाभ्यास शुरू हो गया है। पहलगाम आतंकी के बाद से ही भारतीय सेनाएं अपना शक्ति प्रदर्शन कर रही हैं। नौसेना ने अपने युद्धपोतों को सतर्क रखा है। भारतीय तटरक्षक जहाज भी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्रों में तैनात हैं। गुजरात तट से सटी समुद्री सीमा पर कड़ी निगरानी हो रही है। तीनों सेनाएं अलर्ट मोड पर हैं।

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र में अभ्यास तेज कर दिया है। अरब सागर में कई जहाज-रोधी और



भारत के हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमान की इंट्री बंद

विमान-रोधी फायरिंग की गई है। भारतीय तटरक्षक जहाज भी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्रों में तैनात हैं। गुजरात तट से सटी समुद्री सीमा पर कड़ी निगरानी हो रही है। भारतीय नौसेना पूरे क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है।

भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रान्त को अरब सागर में तैनात किया है। यह भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। तैनाती 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में

हुए आतंकी हमले के बाद की गई।

भारत ने पाकिस्तान की सभी एयरलाइंस के लिए भारतीय एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान होगा क्योंकि उड़ानों की दूरी और वक्त दोनों में इजाफा होगा। यह कदम पाकिस्तान के लिए सख्त कूटनीतिक संदेश भी है। इससे पहले भारत ने सिंधु जल समझौते को रद्द कर पाकिस्तान के खिलाफ वाटर स्ट्राइक की थी और अब एयरस्पेस रोक कर बड़ा एयर स्ट्राइक करने जा रहा है। भारत के इस कदम का असर दक्षिण पूर्व एशिया जाने वाली उड़ानों पर खास तौर पर पड़ेगा और वहां जाने के लिए विमानों को भारत के चारों तरफ चक्कर लगानी होगी।

►10पर

पहलगाम कांड की जांच और सुरक्षा गारंटी वाली याचिका खारिज

बेहद गंभीर वक्त है, सेना का मनोबल न गिराएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)।



सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर दाखिल याचिका पर याचिकाकर्ता को फटकार लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा, आपने मांग की है कि रिटायर्ड जज की अगुवाई में इस मामले की जांच हो। जज कब से ऐसे मामलों में जांच करने के एक्सपर्ट हो गए? मामले की गंभीरता को देखिए। यह कठिन समय है। आतंकवाद से सबको मिलकर लड़ना है। अदालत ने सेना का मनोबल न गिराने को कहा। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर वक्त है।

►10पर

तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर करेंगुट्टा से खदेड़े गए नक्सली

रायपुर, 01 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित नक्सलियों के दुर्दांत गढ़ करेंगुट्टा की पहाड़ी से नक्सलियों को खदेड़े भागाया गया। पांच हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित करेंगुट्टा पहाड़ी का इलाका नक्सलियों का दुर्दांत गढ़ माना जाता था। अब नक्सलियों का यह किला भी ढह गया। सुरक्षाबलों ने करेंगुट्टा पहाड़ी पर तिरंगा फहरा दिया है। बीते नौ दिनों से जारी ऑपरेशन करेंगुट्टा अभी भी जारी है। करेंगुट्टा पहाड़ी पर ही नक्सलियों

के शीर्ष नेता जैसे हिडमा, देवा, दामोदर, आजाद और सुजाता का ठिकाना था, लेकिन अब इस पर पूरी तरह से सुरक्षाबलों का नियंत्रण हो गया है और वहां तिरंगा लहरा रहा है। नक्सली भाग कर तेलंगाना की सीमा में घुस रहे हैं। नक्सलियों के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और मौजूदा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दोनों ही सीजफायर की अपील कर चुके हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ तेलंगाना के नक्सलियों का अड्डा बनते जाने की आशंका लगातार जाहिर कर रहे हैं। ऑपरेशन करेंगुट्टा देश



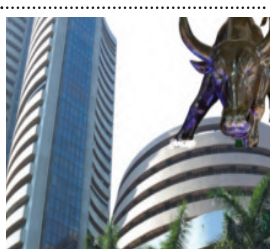
नक्सलियों का साथ दे रहे हैं केसीआर और रेवंत रेड्डी

में उग्रवाद के खिलाफ चलाए गए सबसे बड़े ऑपरेशन में से एक है। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में चलाए गए ऑपरेशन में करीब 24 हजार सुरक्षाकर्मी शामिल हुए। इनमें डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड), बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ समेत राज्य पुलिस की सभी यूनिट के जवान, सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन के जवान शामिल हुए। साथ ही हेलीकॉप्टर, ड्रोन यूनिट के जरिए पूरे ऑपरेशन पर नजर रखी गई। करेंगुट्टा पहाड़ी नक्सलियों का अहम रणनीतिक ठिकाना था।

ऑपरेशन करेंगुट्टा की शुरुआत 21 अप्रैल को हुई थी। करेंगुट्टा पहाड़ी इलाका करीब 800 वर्ग किलोमीटर इलाके में फैला है और यह छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना के मुलुगु जिले से सटा है। यह नक्सलियों के छिपने के लिए सबसे मुफीद जगह मानी जाती थी और यही वजह थी कि नक्सलियों के शीर्ष नेताओं का यह ठिकाना था। यह नक्सलियों की सैन्य ताकत के लिहाज से सबसे अहम पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन नंबर एक का केंद्र था।

►10पर

शेयर मार्केट



बीएसई : 80,242.24

-46.14 -0.06% ↓

एनएसई : 24,334.20

-1.75 (-0.01%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36°

न्यूनतम : 22°

बिहार चुनाव के पहले तैयार होगी स्वामी रहित मतदाता सूची

वोटिंग प्रक्रिया को आसान बनाएगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसी सिलसिले में चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों को और ज्यादा सटीक और भरोसेमंद बनाने के लिए तीन नई पहलें शुरू की हैं, जिसका मकसद है कि मतदान की प्रक्रिया को लोगों के लिए आसान और भरोसेमंद बनाया जा सके। मार्च 2025 में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में ये फैसले लिए गए थे, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखवीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी मौजूद थे। चुनाव आयोग की ओर से किए गए तीन



वोटर लिस्ट से होगी मृतकों की छुट्टी, बीएलओ को मिलेगी आईडी

अहम एलान में सबसे पहली घोषणा मृत्यु पंजीकरण का डेटा से संबंधित मामले में किया

गया है। इसके तहत अब चुनाव आयोग को पंजीयक जनरल ऑफ इंडिया से मृत लोगों का रिकॉर्ड सीधे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि मृतकों के नाम समय पर मतदाता सूची से हटाए जाएं। इसके बाद बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) फील्ड में जाकर जानकारी की दोबारा जांच कर सकेंगे, बिना किसी औपचारिक शिकायत के। अब मतदाता स्लिप को और मतदाता के अनुकूल बनाया जाएगा। वोटर की सीरियल नंबर और पार्ट नंबर अब बड़े फॉन्ट में दिखेगा, जिससे मतदाताओं को अपना पोलिंग स्टेशन पहचानना आसान होगा और चुनाव अधिकारी भी जल्दी से नाम ढूँढ़ सकेंगे।

►10पर

पहलगाम हमले की जांच में तेजी

एनआईए के महानिदेशक पहुंचे पहलगाम

जम्मू, 01 मई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते आज घटनास्थल पर पहुंचे।



22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की एनआईए जांच कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष टीम हाईटेक उपकरणों के साथ बुधवार को फिर से बायसरन में घटनास्थल पर पहुंची। एनआईए बायसरन घाटी में 3डी मैपिंग कर रही है, ताकि आतंकियों के एंट्री-एग्जिट पॉइंट का सटीक पता लगाया जा सके। अब तक दर्ज चरमदीनों के बयानों के आधार पर 3डी मैपिंग की जाएगी। इससे आतंकियों की एंट्री और एग्जिट पॉइंट की पुष्टा जानकारी मिल पाएगी। 3डी मैपिंग के जरिए आतंकियों के भागने के सही रास्तों की जानकारी भी मिलेगी।

►10पर

कार्टून कॉर्नर



केंद्र द्वारा जाति-जनसंख्या जनगणना की घोषणा के बाद

राज्य सरकार द्वारा कराए गए सर्वेक्षण की प्रगति पर सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केन्द्र सरकार द्वारा स्वयं जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराने का निर्णय लेने के बाद, राज्य सरकार द्वारा कराई जाने वाली जाति जनगणना तथा आंतरिक आरक्षण के लिए कराए जाने वाले विशेष सर्वेक्षणों की औचित्य वा वैधता पर सवाल उठने लगे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धार्थमाया की सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग द्वारा किए गए सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में जातिगत जानकारी के साथ-साथ 54 कारग भी शामिल किए गए थे। यह रिपोर्ट लगभग आठ वर्षों के बाद 17 अप्रैल को आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत की गई तथा मंत्री को प्राप्त हो गई है। इस रिपोर्ट में दिए गए जाति-वार आंकड़ों से भारी हंगामा मच गया है। लिंगायत-वीरशैव, वोक्कालिंगा और कई अन्य जातियां राज्य सरकार पर रिपोर्ट को खारिज करने का दबाव बना रही हैं और कह रही हैं कि यह पूरी तरह अवैज्ञानिक है। इस रिपोर्ट का विपक्ष की तुलना में सत्तारूढ़ दल के भीतर अधिक विरोध हुआ है। मुख्यमंत्री सिद्धार्थमाया के आग्रह पर कराए गए इस सर्वेक्षण ने इतना विवाद पैदा कर दिया है कि सरकार का अस्तित्व ही हिल गया है। इसलिए राज्य सरकार ने रिपोर्ट पर



कोई अंतिम निर्णय लिए बिना ही समय बर्बाद करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, राज्य सरकार के पास इस प्रकार की जनगणना कराने का अधिकार नहीं है, केवल केंद्र सरकार के पास ही जनगणना या जाति जनगणना कराने का अधिकार है। इस बात पर आपत्ति थी कि यदि राज्य इस प्रकार की जनगणना करेंगे तो यह असंवैधानिक होगा। इसके अलावा बिहार और तेलंगना राज्यों में जाति सर्वेक्षण किये गये। राज्य सरकार ने इसे जाति जनगणना का नाम नहीं दिया, बल्कि इसे सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रिपोर्ट बताया, क्योंकि वह कानूनी और संवैधानिक संकट में नहीं पड़ना चाहती थी। इसमें एकत्रित जातिगत आंकड़ों के आधार पर

आरक्षण संशोधन एवं अन्य कार्यक्रम तैयार करने का प्रस्ताव किया गया। जैसे ही सरकार ने कैबिनेट में रिपोर्ट पेश की, तब केवल भारी विरोध हुआ, बल्कि सिद्धार्थसागर सरकार को मुश्किल में डालने के लिए आरक्षण दर को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 71 प्रतिशत करने की मांग भी उठी। इससे पहले कि सरकार जयप्रकाश हेगड़े की रिपोर्ट के आधार पर कोई निर्णय लेती, विभिन्न व्याख्याएं सुनी गईं। इसके अलावा, अनुसूचित जातियों के भीतर आंतरिक आरक्षण को लेकर भी बड़ी बहस चल रही है। सदाशिव आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर पिछले दिनों काफी बहस हुई है। चूंकि इसमें आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं, इसलिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एच.एस. नागमोहन दास

की अध्यक्षता में नवगठित आयोग ने 5 मई से अनुसूचित जातियों की जनसंख्या, सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक स्थिति का धरा-धरा जाकर सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। इन दोनों कार्यक्रमों ने गरमागरम बहस छेड़ दी है। इस बीच, केंद्र सरकार ने जनगणना की घोषणा की है और कहा है कि वह जाति आधारित जनगणना कराएंगी। केंद्र सरकार को जनसंख्या जनगणना और जाति जनगणना कराने का अधिकार है। जनगणना शुरू होते ही यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या राज्य सरकार द्वारा गठित पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट और सर्वेक्षण करने वाले न्यायमूर्ति नागमोहन दास की रिपोर्ट उचित और वैध है। सूचों के अनुसार, सरकार इस उलझन भरी स्थिति में लिए जाने

लेने निर्णय पर कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ले सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों को इस पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। केन्द्र सरकार को जनगणना कराने, रिपोर्ट प्राप्त करने तथा उसे क्रियान्वित करने में कम से कम दो वर्ष का समय लगेगा। क्या तब तक राज्य सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय वैध होगा? इस बात पर प्रश्न उठने लगे हैं कि क्या विवादों का समाधान अदालतों में हो सकता है। जयप्रकाश हेग्ड़े की रिपोर्ट के खिलाफ जमीनी स्तर पर संघर्ष शुरू हो चुका है। यदि रिपोर्ट को लागू करने का निर्णय लिया जाता है, तो लगभग निश्चित रूप से अदालत में इस पर सवाल उठाया जाएगा। यह भी चिंता है कि यदि अदालतें इसके विपरीत निर्णय देती हैं, तो इसका भविष्य में सामाजिक न्याय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कुछ संगठन मांग कर रहे हैं कि भविष्य में स्थानीय निकायों के लिए आरक्षण का निर्धारण केंद्र सरकार की जाति जनगणना का इंतेजार किए बिना, राज्य सरकार द्वारा किए गए सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर किया जाए। फिलहाल राज्य सरकार ने प्रतीक्षा करो और देखो की रणनीति अपनाई है। इस प्रकार, जयप्रकाश हेग्ड़े रिपोर्ट के कार्यान्वयन पर संदेह उत्पन्न हो गया है।

हुब्बल्ली/शुभ लाभ व्यूरो।

कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीएंडआई) हुबल्ली के सदस्यता विकास समिति और खुशरा विकास समिति के अंतर्गत खुशरा व्यापार मालिकों और उद्यमियों को बहुमूल्य जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से स्थानीय सीमाओं के बिना अपने खुशरा व्यापार को ऑनलाइन कैसे बढ़ाएं से संबंधित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगोष्ठी के विशेष वक्ता एमई फॉर यू अकादमी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मुथुराज बड़ीपारा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोविड के बाद दुनिया ऑनलाइन हो रही है। इस स्थिति में ई-कॉमर्स युग में पारंपरिक खुशरा व्यापार तकनीक-प्रेमी उपभोक्ताओं के बीच प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। गूल के माध्यम से ऑनलाइन व्यापार करने के लिए आपको अपना व्यवसाय नाम पंजीकृत कराना होगा। ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करना बहुत आसान है, लेकिन इसमें बहुत समय और पूंजी लगाने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन ऑनलाइन व्यवसाय



शुरू करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और कौशल की आवश्यकता होती है। यदि आप अपना ऑनलाइन व्यापार सामधानी से करेंगे तो आपको अपने व्यापार में अधिक वृद्धि देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह संभव है तथा उन्होंने पावर प्वाइंट के माध्यम से अधिक विवरण उपलब्ध कराया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए आईनेट लाफ स्टाल के संस्थापक और सीईओ प्रिया तोलनवारा ने कहा कि हम उन उत्पादों का विवरण प्राप्त करते हैं जिनकी ऑनलाइन मांग होती है और उन्हें प्राक की मांग के अनुसार उपलब्ध कराते हैं। लेन-देन ऑनलाइन किया जाता है। साथ ही ऑनलाइन व्यापार करने के तरीकों के बारे में

पार प्वाइंट के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। संस्था के मानद सचिव रविन्द्र बलिगेर ने सभी का स्वागत किया। सदस्यता विकास समिति अध्यक्ष सुभाष बागलकोटी और कौशल विकास समिति के अध्यक्ष नरेश शाह, सदस्य सदानंद कामत, गौतम बेताला, अशोक लाडवा, जितेश जैन और कई अन्य सदस्य उपस्थित थे। राघवेन्द्र बागलकोटी ने वक्ताओं का परिचय कराया। अरुण अंगडी ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संयुक्त मानद सचिव महेंद्र सिंधी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। संगठन के सदस्यों, व्यापारियों और आम जनता से उनकी समस्याओं के बारे में प्रश्न पूछकर उनका समाधान किया गया।



बंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो। एसजेबी इंस्टिट्यूशन ऑफ टेकोलॉजी द्वारा शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता वर्चस्व 2025 के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष अतिथि महेन्द्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

हमें पाकिस्तान पर आक्रमण कर उसे तबाह कर देना चाहिए: मंत्री

ಮೈಸೂರು/ಶುಭ ಲಾಭ ಬ್ಯೂರೋ।

श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि मेरी निजी राय है कि पहलागाम हुए आतंकवादी हमले को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तान से खिलाफ कानूनी भी निर्णय लेंगे, उसके स्वागत होना चाहिए। पत्रकारों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहलागाम इंदिरा गांधी ने उन्हें घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। हमें याद रखना चाहिए कि 1971 के युद्ध के दौरान उन्होंने था। आइए हम ऐसा ही करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को लेंगे, हम उसका स्वागत करेंगे। मंत्री लाड ने मंगलूरू में पाकिस्तान से आने लगाने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कोई भी पाकिस्तान समर्थक होगा, उसे दंडित किया जाएगा। लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बाला का समर्थन कौन करता है। भी पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने दंडित किया जाना चाहिए। इससे नहीं पड़ता कि मेरे परिवार को सजा है या नहीं। ऐसी घटनाएँ क्यों बरतें मुझे नहीं पता कि वे नारे क्यों लगा रहे नारे लगाने वालों के पक्ष में नहीं है। विभिन्न भागों में अन्य घटनाएँ भी हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, इसके



जिम्मेदार नहीं हूं। उन्होंने पूछा कि मैं इसका क्या जवाब दूँ। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारामैया ने बुधवार को कहा था कि पाकिस्तान के पक्ष में बोलने वाला कोई भी व्यक्ति गलत है और यह देशद्रोह के बराबर है।

हालांकि उन्होंने कहा कि मंगलूर में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के आरोप में एक व्यक्ति की कथित 'भीड़ द्वारा हत्या' के संश्लेष में जांच चल रही है। अगर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया था, तो यह गलत है, चाहे वह कोई भी हो। जांच अभी चल रही है, मामला दर्ज किया गया है, रिपोर्ट आने दीजिए। यह स्पष्ट हो जाएगा कि किसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। अगर कोई पाकिस्तान के पक्ष में बोलता है, तो यह गलत है, यह देशद्रोह है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि मंगलूर

में एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा हत्या की गई और घटना के पीछे के लोगों से पृथक्ताछ करने पर उन्होंने दावा किया है कि पीड़ित ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाया था। इसकी आगे जांच की जा रही है। केवल गिरफ्तार किए गए लोगों ने ही यह बात कही है। अब तक करीब 20 लोगों को नया ज़ा चुका है। पुलिस मृतक उसके मूल के बारे में भी पता है। हमने घटना को गंभीरता से आगे की जांच जारी है और वहां केकेट मैच खेलते गए थे। जानकारी तब उन सभी से पृथक्ताछ की जा बहुत गंभीर है। जब उनसे पृथक् मृतक व्यक्ति केरल के वायनाड में परमेश्वर ने कहा कि ऐसी और उसकी पहचान स्थापित उससे माता-पिता से संपर्क करके की जानी चाहिए। इस सबाल पर उस की ओर से कोई चूक हुई है, खबरें हैं कि उन्होंने कथित तौर में आत्महत्या के रूप में पेश निशिक्ष की थी, उन्होंने कहा हमारे कोई जानकारी नहीं है। अगर ऐसी तो वह जांच से सामने आएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा है कि सभी समुदायों को लाभ मिले: बी.वाई. विजयेन्द्र

सिद्धरामैया सरकार की
मंशा अच्छी नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को कहा कि सीएम सिद्धरामैया जाति जनगणना के नाम पर जातिगत जहर बोने की चाल चल रहे थे। लेकिन अब यह सब खत्म हो जाएगा क्योंकि केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बहुत अच्छा निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बुधवार की कैबिनेट बैठक में जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराने का महत्वपूर्ण निर्णय स्वागत योग्य है। 1931 के बाद से भारत में कभी भी जाति जनगणना नहीं हुई है। इस देश के हर नागरिक को न्याय मिलना चाहिए। नरेन्द्र मोदी की इच्छा है कि सभी समुदायों को लाभ मिले। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समाज के सबसे हाशिए पर



जनगणना कराने का अधिकार नहीं है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि यह शक्ति केवल केन्द्र

पड़े व्यक्ति के लिए न्याय सुनिश्चित करने के मिशन के साथ काम कर रहे हैं। जनसंख्या जगणना के साथ-साथ जाति जगणना कराने के निर्णय का सभी ने स्वागत किया है। हमारे राज्य में शासन कर रही कांग्रेस पार्टी जातियों के बीच नफरत के बीज बोकर समाज को बांटने का काम कर रही है। वे भी केंद्र के फैसले से हैरान हैं। उन्होंने जाति जगणना न कराने के लिए कांग्रेस पार्टी की आल-पेचना की, जिसने आजादी के बाद कई वर्षों तक केंद्र पर शासन किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं राज्य में जाति जगणना के संघर्ष में कोई निर्णय नहीं लिया है। वे खुद कह रहे हैं कि उन्होंने पहले पिछड़े समुदायों का सर्वेक्षण कराया था और अब जाति जगणना हो रही है। राज्य सरकार को जाति सरकार के पास है। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार यह सब जानते हुए भी जातिवादी जहर बो रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोडली ने स्वयं कहा था कि राज्य में जाति जगणना हुए 10 वर्षों हुए हैं और यह विरिचित हो चुका है। सरकार के पास वह रिपोर्ट नहीं है जो कांताराजू ने दी थी। उन्होंने सिद्धारामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह बिना किसी रिपोर्ट के भी समाजों के बीच भ्रम और दरार पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि कम से कम अब तो वे इस गीत की प्रशंसा करेंगे। सभी पिछड़े समुदायों को न्याय मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इसी दृष्टिकोण से निर्णय लिया है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न का उत्तर

देते हुए कहा कि सिद्धरामैया से सीखने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जाति जनगणना को लेकर हंगामा मचाने वाले कांग्रेसियों के पास इसकी कोई रिपोर्ट नहीं है। कांतारामजी रिपोर्ट की कोई प्रति उपलब्ध नहीं है। जयप्रकाश हेगड़े ने खुद सरकार को पत्र लिखकर सवाल किया था कि मूल रिपोर्ट के बिना किस आधार पर रिपोर्ट दी गई। उन्होंने चुनौती दी कि वे बताएं कि सर्वेक्षण पर कितने करोड़ रुपये खर्च हुए। सिद्धरामैया सरकार की मंशा अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा कि समाजों के बीच विभाजन पैदा करने की बुरी मंशा के अलावा कोई अच्छी मंशा नहीं है। कुछ लोग प्रचार के उन्माद में पहलगाम आतंकवादी हमले के बारे में बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सब बातों पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। पहलगाम त्रासदी पर हर भारतीय एकजुट है। उन्होंने कहा कि देश की जनता आतंकवादियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई चाहती है।



बेंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो। करुनाडु सिम्हा डॉ. राजकुमार अभिमानी संघ द्वारा यशवतपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर संघ के सदस्य मौजूद थे।

राज्य में अगले 5 दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में ग्रीष्मकालीन मानसून सक्रिय हो गया है और मौसम विभाग ने पांच दिनों तक गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के बंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सी.एन. पाटिल ने बताया कि राज्य के अंदरूनी हिस्सों में ट्रोणिका बनने के परिणामस्वरूप अंदरूनी हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश जारी रहेगी। बुधवार शाम और रात को शहर सहित राज्य के दक्षिणी आंतरिक भागों में छिटपुट बारिश हुई। कुछ स्थानों पर हल्की



से मध्यम बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। उन्होंने बताया कि तटीय और उत्तरी आंतरिक भागों में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हुई। हिरियुर और चित्रदुर्ग में 5 सेमी बारिश

हुई, तुमकुर जिले के गुब्बी में 3 सेमी और बेलटांगडी में 2 सेमी बारिश हुई। उन्होंने कहा कि बेंगलूरू सहित आंतरिक इलाकों में तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। तट, मलनाड और उत्तरी आंतरिक

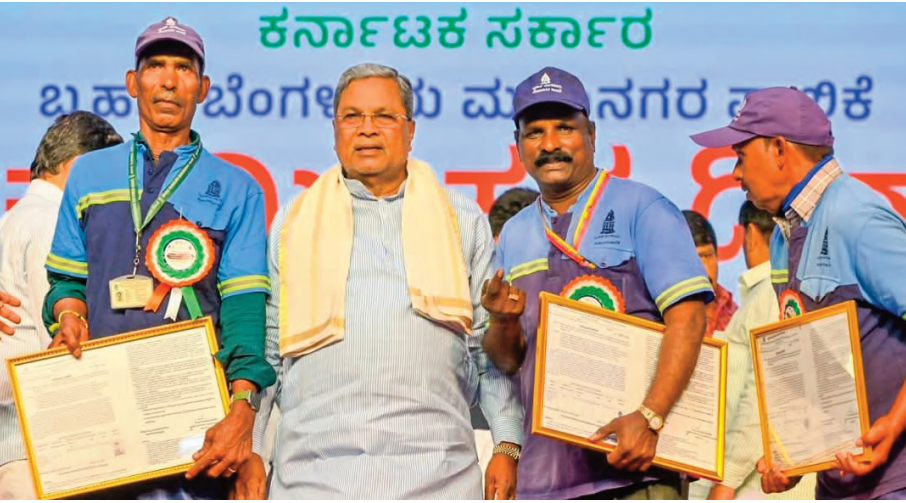
भागों के कई हिस्सों में पांच दिनों तक बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और तूफान के साथ बारिश होगी। तूफान की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है और उन्होंने जन्ता को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है। कलबुर्गी में अधिकतम तापमान 42 डिग्री, बीदर में 41 डिग्री, बेंगलूर में 34 डिग्री और धारवाड़ में 37 डिग्री दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि अगले 5 दिनों में बेंगलूर समेत दक्षिणी आंतरिक और तटीय इलाकों में बारिश की संभावना है।

कर्नाटक वन विभाग ने सकलेशपुर में उपद्रवी टस्कर को पकड़ा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ व्यूरो। कर्नाटक के वन विभाग ने गुरुवार को हसन जिले के सकलेगुप्पुर तालुक के हलासुलीगे गांव में मागदी एस्टेट में उपद्रवी टस्कुर को पकड़ा। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह टस्कुर शानमुखा की मौत के लिए जिम्मेदार था, जिसकी 25 अप्रैल को बैकरो में हाथी के हमले में मौत हो गई थी। उनका यह भी मानना है कि जानवर ने आस-पास के गांवों में कुछ कृषि श्रमिकों पर हमला किया था। हाथी टास्क फोर्स ने जानवर को ट्रैक किया। पशु चिकित्सकों ने ट्रैकिंगलाइन डार्ट फायर करके सफलतापूर्वक हाथी को बेहोश कर दिया। बाद में टास्क फोर्स ने पालतू हाथियों को कंजन, सुग्रीव, धनंजय, महेंद्र, एकलव्य और भीम की मदद से हाथी को पकड़ लिया। पकड़ा गया हाथी करीब 20 साल का है। हाल ही में मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों द्वारा जंगली हाथियों को पकड़ने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद वन विभाग ने यह पहल की। वन संरक्षक येदुनोडालु वी. और उप वन संरक्षक सौरभ कुमार उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने इस अभियान में हिस्सा लिया। इससे पहले मार्च में विभाग ने तीन हाथियों को पकड़ा था।

खड़गे ने जाति जनगणना कराने की केंद्र सरकार की घोषणा का किया स्वागत

निजी क्षेत्र में आरक्षण व्यवस्था लागू करने के लिए कानून बनाने की मांग



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जाति जनगणना कराने की केंद्र सरकार की घोषणा का स्वागत करते हुए निजी क्षेत्र में आरक्षण व्यवस्था लागू करने के लिए कानून बनाने की मांग की है। शहर के चैलेस ग्राउंड में बीबीएमपी द्वारा आयोजित सिविल वर्कर्स डे समारोह और सिविल वर्कर्स के लिए नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि राज्य सरकार ने 13,000 सिविल वर्कर्स को स्थायी किया है। यह गर्व की बात है कि देश के इतिहास में इतने सारे सिविल सेवकों को स्थायी किया गया है। सिविल सेवकों को वे अधिकार नहीं मिल रहे हैं जिनके वे हकदार हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य के शेष बचे शहरी स्थानीय निकायों में कार्यरत 13,000 लोगों सहित नगर निगम कर्मचारियों को स्थायी किया जाए।

केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि वह जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना भी कराएगी। इससे पहले, यूपीए सरकार ने सितंबर 2010 में

निजी क्षेत्र में नौकरियां नहीं दी जातीं

अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्गों को निजी क्षेत्र में नौकरियां नहीं दी जातीं। इसीलिए नेहरू ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को बंद कर रही है। अस्पृश्यता अभी भी प्रभावी है। उन्होंने नागरिक कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें तथा उन्हें व्यापार और उद्योग में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान नागरिक कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि शोषित वर्ग चाहे कितना भी अच्छा काम क्यों न कर ले, उसे ध्यान में नहीं रखा जाता। बाबू जगजीवन राम ने आठ बार अपराजित सांसद और एक कार्यकर्ता के रूप में बहुत अच्छा काम किया है। लेकिन वह प्रधानमंत्री नहीं बन सके। इस मौके पर मुख्यमंत्री सिद्धार्थैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव रणदीप सुरजेवाला, मंत्री रामलिंगा रेड्डी, के.एच. मुनियप्पा, एच.सी. महादेवप्पा, बैरती सुरेश, कृष्णा बायरे गौड़ा, रहीम खान, सांसद राधाकृष्ण, नासिर हुसैन, विधायक एस.टी. सोमशेखर आदि लोग मौजूद रहे।

सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण शुरू किया था, जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। मैं उस समय श्रम और समाज कल्याण मंत्री था। जाति जनगणना 2016 में पूरी हो गई थी। लेकिन भाजपा सरकार ने अभी तक उस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया है और न ही उसे लागू किया है।

उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी को ऐसे अच्छे कार्यों का श्रेय नहीं मिलेगा। 16 अप्रैल, 2023 को मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जनगणना में जाति गणना को शामिल करने का आग्रह किया था। केंद्र सरकार ने दो साल में कुछ नहीं किया। बुधवार को विशेष कैबिनेट बैठक हुई और

जाति जनगणना की घोषणा की गई। वे हमारी बातों को नजरअंदाज करते हैं और जब चाहें निर्णय ले लेते हैं। उनका रवैया यह है कि यदि हम कहते ही कार्रवाई करेंगे तो कांग्रेस को श्रेय मिलेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि वे केवल नरेन्द्र मोदी और भाजपा को श्रेय दिलाना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नेहरू जाति जनगणना के खिलाफ थे। नेहरू ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा तैयार हिंदू कोड बिल को विभाजित कर दिया। अम्बेडकर के विचारों को चार भागों में विभाजित कर लागू किया गया। भाजपा उतना अच्छा काम नहीं कर सकती जितना कांग्रेस ने

किया है। कांग्रेस सरकार ने पहले भी लड़कियों के लिए आरक्षण लागू करने का कानून बनाया था, लेकिन अभी तक इसे लागू क्यों नहीं किया गया? जब लोग विरोध व्यक्त करेंगे और विरोध प्रदर्शन होंगे तब निर्णय लिए जाएंगे। यूपीए के कार्यकाल के दौरान संविधान के अनुच्छेद 15(5) में संशोधन किया गया था। तदनुसार, निजी संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण प्रदान करने के लिए एक कानून बनाया गया है। लेकिन यह सरकार इसे लागू नहीं करेगी। उन्होंने मांग की कि इस संबंध में राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ाई लड़ी जाए, आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत तक

की जाए तथा जनसंख्या के आधार पर आरक्षण दिया जाए। केंद्र सरकार का जाति जनगणना कराने और पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने का कोई इरादा नहीं है। सिद्धार्थैया सरकार ने राज्य में जाति जनगणना कराने के लिए 150 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। केंद्र सरकार ने पूरे देश के लिए केवल 550 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह धनराशि उत्तर प्रदेश की जनगणना के लिए भी पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यदि इरादा जाति जनगणना कराने और पिछड़े वर्गों को लाभ पहुंचाने का था तो बजट में ही धन आवंटित किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। राज्य में कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में किए गए सभी वादे पूरे कर दिए हैं। हमारे विरोधी अनावश्यक रूप से हमारी आलोचना करते हैं, लेकिन आम लोग इसका जवाब दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किये गये अच्छे कार्यों को मान्यता दी जानी चाहिए और उनकी सराहना की जानी चाहिए। अंबेडकर ने न केवल संविधान लिखा, बल्कि ब्रिटिश शासन के दौरान वायसराय की परिषद के

सदस्य के रूप में लड़ाई लड़ी और श्रमिकों के लिए कई सुविधाएं भी प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले श्रमिकों के लिए 10 से अधिक विधेयक बनाए गए थे, जिनमें कोयला खान सुरक्षा विधेयक, कारखाना विधेयक, श्रमिक मुआवजा विधेयक, स्वास्थ्य विधेयक, सामाजिक सुरक्षा और बीमा लाभ शामिल हैं। अंग्रेज भारतीयों से 13-14 घंटे काम करवाते थे। ब्रिटिश कर्मचारियों को प्रतिदिन केवल 8 घंटे काम करना पड़ता था। अम्बेडकर ने इस भेदभाव का विरोध किया। इसके बाद 8 घंटे का कार्यदिवस कानून लागू किया गया।

मोदी सरकार ने श्रमिकों से जुड़े 44 कानूनों को निरस्त कर दिया है और केवल तीन या चार कानूनों को बरकरार रखा है, जिन्हें वे चाहते हैं। अब काम के घंटे बढ़ाकर 10 घंटे कर दिए गए हैं। पूंजीपतियों ने हर जगह स्थायी कर्मचारियों को हटाकर ठेका प्रणाली लागू कर दी है। उन्होंने मोदी पर इसका समर्थन करने का आरोप लगाया। अंबेडकर ने श्रमिकों के लिए बहुत योगदान दिया और मोदी सरकार इसे बर्बाद कर रही है।

महिला ने पति को कुल्हाड़ी से मार डाला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक चौकाने वाली घटना में, उडुपी के हेबरी के नालकुरु में बुधवार को एक पत्नी ने कथित तौर पर अपने पति को कुल्हाड़ी से मार डाला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान गणपति के रूप में हुई है, जिसके गर्दन और अन्य जगहों पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी जयंती ने पुलिस को बताया कि गणपति शराब का आदी था और अक्सर उससे झगड़ा करता था। बुधवार को भी पति-पत्नी के बीच इसी तरह का झगड़ा हुआ। गुस्से में आकर जयंती ने कथित तौर पर घर के पिछवाड़े में गणपति पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी गर्दन कट गई। पुलिस ने बताया कि झगड़ा तब शुरू हुआ जब गणपति ने शराब खरीदने के लिए अपनी पत्नी से पैसे मांगे। यह मामला इतना बढ़ गया कि जयंती ने उस पर हथियार से हमला कर दिया। हेबरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

ब्रह्मवर ब्लैक स्पोर्ट

सांसद कोटा पुजारी ने तत्काल सर्विस रोड निर्माण के आदेश दिए



उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

ब्रह्मवर में उचित सर्विस रोड और फ्लाईओवर की मांग को लेकर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के जवाब में, उडुपी-चिक्कमगलूर के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने गुरुवार को शहर के ब्लैक स्पोर्ट का दौरा किया और अधिकारियों को सर्विस रोड का तत्काल निर्माण शुरू करने का निर्देश दिया। महेश अस्पताल जंक्शन के पास ब्लैक स्पोर्ट के अपने दौरे के दौरान, कोटा श्रीनिवास पुजारी ने राजमार्ग अधिकारियों को एसएमएस कॉलेज से जंक्शन

तक 500 मीटर की सर्विस रोड का निर्माण शुरू करने का निर्देश दिया। इस कदम से जंक्शन पर यातायात की भीड़ कम होने और दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। सड़क पार करते समय एक स्कूली बच्चे की कार से टक्कर लगने के बाद बेहतर सड़क बुनियादी ढांचे की मांग तेज हो गई थी। इस दुखद घटना के कारण व्यापक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें निवासियों ने बार-बार अधिकारियों से क्षेत्र में उचित सर्विस रोड और फ्लाईओवर बनाने का आग्रह किया।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत



चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।

तालुका के कटराल गांव के पास गुरुवार सुबह गोवा जा रही एक इनोवा कार का टायर फट गया और चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे कार सड़क के बीच में एक डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान अर्जुन (28), सरवण (31) और संधिधल (29) के रूप में हुई है, सभी तमिलनाडु के रहने वाले थे। यह निर्धारित किया गया है कि अत्यधिक गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 6.30 बजे

घटित हुई। टक्कर के कारण एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दो अन्य लोगों की इलाज के बिना अस्पताल में मौत हो गई। दुर्घटना में घायल हुए तीन लोगों को बेंगलूर के एक अस्पताल में तथा शेष तीन को इलाज के लिए चित्रदुर्ग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक पुलिस जांच से पता चला है कि यह दुर्घटना कार के बायीं ओर का टायर फटने के कारण हुई। खबर मिलने पर चित्रदुर्ग ग्रामीण थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया, मामला दर्ज किया और आगे की कार्रवाई की।

कर्नाटक एसएसएलसी परिणाम आज होंगे घोषित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड (केएसईएबी) शुक्रवार को शैक्षणिक वर्ष 2025 के लिए एसएसएलसी (कक्षा 10) परीक्षा-1 के परिणाम घोषित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री ने पुष्टि की कि शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे निर्धारित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान परिणामों की औपचारिक घोषणा की जाएगी। आधिकारिक घोषणा के बाद, छात्र आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से दोपहर 12:30 बजे से अपने परिणाम ऑनलाइन देख सकेंगे। परीक्षाएं 21 मार्च से 4 अप्रैल के बीच कर्नाटक के 2,818 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। इस साल, कुल 8.96 लाख छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था।

बोर्ड के सूत्रों ने पुष्टि की कि मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी हो गई है, जिससे परिणामों की समय पर घोषणा का रास्ता साफ हो गया है। परिणाम लाखों छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बने हुए हैं क्योंकि यह उच्च शिक्षा और प्री-यूनिवर्सिटी पाठ्यक्रमों के लिए उनकी पात्रता निर्धारित करता है।

राज्य में सामान्य से 63 प्रतिशत अधिक प्री-मानसून वर्षा हुई दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में सामान्य से अधिक प्री-मानसून बारिश दर्ज की गई है। 1 मार्च से 30 अप्रैल तक राज्य में 67.6 मिमी बारिश हुई। जो सामान्य से 63 प्रतिशत अधिक है। इन दो महीनों के दौरान सामान्य वर्षा 41.5 मिमी होती है। लेकिन इस बार 67.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस प्रकार, यह सामान्य से 63 प्रतिशत अधिक है। मौसम वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि गर्मियों की बारिश की तरह इस वर्ष मानसून भी राज्य में सामान्य से अधिक भारी होगा। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, 1 जनवरी से अप्रैल के अंत तक चार महीने की



अवधि के दौरान कुल वर्षा सामान्य से 50 प्रतिशत अधिक थी। इस अवधि के दौरान सामान्य वर्षा 45.9 मिमी होती है। केवल बीदर, हावेरी, बल्लारी और मैसूर जिलों में सामान्य वर्षा हुई, जबकि राज्य के अन्य सभी जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई। जनवरी और फरवरी में सामान्य से कम वर्षा

के अंतिम सप्ताह में शुरू हुई। तब से, रुक-रुक कर बारिश हो रही है। पिछले सप्ताह दक्षिणी आंतरिक जिलों में तापमान सामान्य से कम रहा। जबकि उत्तरी आंतरिक और तटीय क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, वहीं मलनाड क्षेत्र में सामान्य वर्षा हुई। अप्रैल माह के आरंभ से अंत तक राज्य

हई। यानी सर्दियों के इन दो महीनों में बारिश नहीं हुई। हालांकि, फरवरी में गर्मी अधिक गर्मियों जैसी महसूस हुई। मार्च में सूर्य की तीव्रता भी अधिक थी। हालाँकि, गर्मियों की बारिश मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू हुई। तब से, रुक-रुक कर बारिश हो रही है। पिछले सप्ताह दक्षिणी आंतरिक जिलों में तापमान सामान्य से कम रहा। जबकि उत्तरी आंतरिक और तटीय क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, वहीं मलनाड क्षेत्र में सामान्य वर्षा हुई। अप्रैल माह के आरंभ से अंत तक राज्य

मैंगलूरु में माॅब लिंचिंग : लापरवाही के लिए इंस्पेक्टर और दो कांस्टेबल निलंबित

मैंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैंगलूरु पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने 27 अप्रैल को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में कुडुपु के पास एक क्रिकेट मैच के आयोजन स्थल पर माॅब लिंचिंग के बारे में बरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को तुरंत सूचना न देने के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। मैंगलूरु ग्रामीण पुलिस इंस्पेक्टर के.आर. शिवकुमार, हेड कांस्टेबल पी. चंद्रा और कांस्टेबल येल्लिगा को निलंबित कर दिया गया है। चंद्रा मैंगलूरु ग्रामीण पुलिस स्टेशन की विशेष शाखा में हैं, जबकि येल्लिगा उसी

पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल हैं। येल्लिगा के क्षेत्र में वह स्थान भी शामिल है, जहां 35 वर्षीय अशरफ की करीब 25 लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। यहां गुरुवार को जारी आदेश में अग्रवाल ने कहा कि 29 अप्रैल को गिरफ्तार किए गए लोगों और अन्य लोगों से पूछताछ में पता चला कि क्रिकेटरों और दर्शकों द्वारा माॅब लिंचिंग के तुरंत बाद दीपक नाम के एक व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने फोन करने वाले से 112 डायल कर सूचना देने को कहा। माॅब लिंचिंग के बारे में पहले से जानकारी होने के बावजूद,



शिवकुमार ने 27 अप्रैल को घटनास्थल पर गए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं दी। इसके बाद इंस्पेक्टर ने लिंचिंग के आरोपी व्यक्तियों को अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज करने के लिए शिकायतकर्ता और

गवाह के तौर पर इस्तेमाल किया। इसके बाद माॅब लिंचिंग का मामला दर्ज किया गया। तीनों को विभाग द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू होने तक निलंबित कर दिया गया है। उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना

मुख्यालय नहीं छोड़ने का निर्देश दिया गया है। अग्रवाल द्वारा की गई यह कार्रवाई जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव, जिला कांग्रेस प्रमुख के. हरीश कुमार और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जिला सचिव मुनीर कटिपल्ला द्वारा माॅब लिंचिंग की घटना पर पुलिस द्वारा देरी से संज्ञान लेने की आलोचना के बाद की गई है। पुलिस ने अब तक कथित रूप से जानलेवा हमले में शामिल 25 लोगों में से 20 को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री बी. रामनाथ राय ने संवाददाताओं से कहा राज्य सरकार को इस घटना

पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और एक विशेष जांच दल का गठन करना चाहिए। अतीत में, इस क्षेत्र में बदला लेने के लिए हत्याएं देखी गई हैं। दूसरे समुदाय के लोगों की हत्या के लिए लोगों को निशाना बनाया गया है। इस माॅब लिंचिंग की घटना के लिए भी ऐसी बदला लेने वाली हत्याएं हो सकती हैं। इसे रोका जाना चाहिए। राय ने कहा कि वह शीघ्र ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धार्थैया से मिलेंगे तथा उन्हें दक्षिण कन्नड़ जिले की स्थिति की गंभीरता से अवगत कराएंगे।

जम्मू कश्मीर के लिए खूनी साबित हुआ अप्रैल का महीना

27 नागरिक, 2 सैनिक और 5 आतंकी मारे गए

जम्मू, 01 मई (व्यूरो)।

अप्रैल का महीना जम्मू कश्मीर के लिए पिछले पांच सालों में सबसे अधिक खूनी महीना रहा है क्योंकि अप्रैल में जम्मू कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ी हिंसा में उछाल देखा गया, जिसमें 25 पर्यटकों सहित 27 नागरिक मारे गए, ये सभी घातक घटनाओं की एक श्रृंखला में शामिल हैं। इस महीने में पांच मुठभेड़ भी हुईं, जिनमें पांच गैर-स्थानीय आतंकवादी मारे गए, जिनमें से दो घुसपैठिए थे, और दो सैनिक मारे गए।

सबसे खूनी हमला पहलगाम के पर्यटक स्थल पर हुआ, जहां बैसरन इलाके में एक क्रूर हमले में



26 लोगों की जान चली गई, जिसमें हापतनार्ड गांव के एक स्थानीय निवासी सैयद आदिल हुसैन शाह भी शामिल थे। इस हमले में अनजान पर्यटकों को निशाना बनाया गया, जिससे घाटी और अन्य जगहों पर हड़कंप मच

गया।

महीने की शुरुआत में ही आतंकी गतिविधियों में वृद्धि के संकेत मिले थे, जब कठुआ के पंजतीर्थी वन क्षेत्र में मुठभेड़ हुई, उसके बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेना के बीच

गोलीबारी के बाद नियंत्रण रेखा पर पुंछ में एक माइन ब्लास्ट हुआ।

बिलावर कठुआ में संदिध उग्रवादी गतिविधि के कारण विशेष अभियान समूह की ओर से भी गोलीबारी की गई। इस महीने के अंत में एक ही दिन रामनगर के जोफर वन क्षेत्र और चतरो किश्तवाड़ में दो बड़ी मुठभेड़ों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों में आतंकवादियों की मौजूदगी में वृद्धि का संकेत दिया। किश्तवाड़ आपरेशन में अंततः तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अलावा, अखनूर के केरी बटाल क्षेत्र में भीषण गोलीबारी में जूनियर कमीशंड

अधिकारी कुलदीप चंद की मौत हो गई।

बारामुला के उड़ी सेक्टर में सीमा उल्लंघन को विफल करने के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराने के साथ ही घुसपैठ की कोशिशों ने भी सुर्खियां बटोरीं। इसके ठीक एक दिन बाद, उधमपुर के दुरु बसंतगढ़ इलाके में एक लंबी गोलीबारी के दौरान एक और सैनिक मारा गया, जिससे मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ। नागरिक त्रासदी में इजाफा करते हुए, कुपवाड़ा के कंडी खास इलाके में एक सामाजिक कार्यकर्ता गुलाम रसूल मगरे की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)।

सामरिक महत्व वाली जगहों और दुर्गम पहाड़ी तक भारतीय रेलवे का विस्तार अपनी रफ्तार में है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक ही नहीं पहलगाम तक ट्रेन चलाने के लिए रेल लाइन का सर्वेक्षण किया जा रहा है। अनंतनाग-पहलगाम तक नई लाइन (करीब 78 किलोमीटर) बिछेगी। इसके अलावा जम्मू एवं कश्मीर में आने वाले 4 और सर्वेक्षण हाल ही में शुरू किया गया है।

इसमें मुख्य रूप से बारामूला-उरी नई लाइन (46 किलोमीटर), सोपोर-कुपवाड़ा नई लाइन (37 किलोमीटर), अवंतीपुरा-शोपियां नई लाइन (28 किलोमीटर) और बनिहाल-बारामुला दोहरीकरण (118 किलोमीटर) शामिल है। इस नई लाइन के बन जाने से ना केवल पर्यटकों को सुविधा होगी कि बल्कि घाटी क्षेत्र की आर्थिक

स्थिति मजबूत होने के साथ बाईर एरिया तक युद्ध की स्थिति में सेना को रसद पहुंचाना आसान होगा। पहलगाम में हुए हमले ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बना कर कायरता का परिचय दिया है।

केंद्र सरकार ने इसका करारा जवाब देने का निर्णय तो लिया ही है साथ ही जम्मू-कश्मीर के विकास और सामरिक दृष्टिकोण से भी कई अहम योजनाएं तैयार की हैं।

इसमें जम्मू कश्मीर के अलावा भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेल लाइन के पहले चरण में ट्रैक बिछाने का काम चल रहा है। बिलासपुर-मनाली-लेह नई लाइन परियोजना (489 किमी) का सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल

परियोजना भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

इस रेल लाइन के 70-80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। हालांकि अखनूर और राजौरी के रास्ते जम्मू और पुंछ (223 किमी) के बीच नई लाइन का सर्वेक्षण किया गया था।

परियोजना की लागत 22,771 करोड़ रुपए आंकी गई थी। यातायात अनुमान कम होने की वजह से फिलहाल इसे रोक लिया गया है। इसी तरह 2016-17 में श्रीनगर-कारगिल-लेह (480 किमी) नई रेल लाइन का सर्वेक्षण किया गया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की अनुमानित लागत 55,896 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा बिलासपुर-मनाली-लेह नई लाइन, जो आंशिक रूप से लाइव में पड़ती है, को सामरिक लक्ष्य के रूप में चिन्हित किया गया है।

पहलगाम हमले से गुलमर्ग का पर्यटन चौपट

1150 होटल कमरों में से सिर्फ 50 बुक हुए

जम्मू, 01 मई (व्यूरो)।

यह पूरी तरह से सच है कि पहलगाम में ट्रिपस्टों पर हुए अपने किस्म के पहले मिले ने विश्व प्रसिद्ध पर्यटनस्थल गुलमर्ग की वाट लगा दी है।

पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले ने कश्मीर के पर्यटन उद्योग को भारी झटका दिया है, जिसके चलते प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट देखी गई है। कश्मीर में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले रिसॉर्ट्स में से एक गुलमर्ग में स्थिति सबसे गंभीर है जहां लगभग 1150 होटल कमरों में से, वर्तमान में केवल 50 ही भरे हुए हैं।

बुकिंग में यह भारी गिरावट होटल व्यवसायियों और टूर आ-परेटों के लिए एक झटका है, जो

इस साल की शुरुआत में बढ़ी दिलचस्पी के बाद एक अच्छे सीजन की उम्मीद कर रहे थे। होटल हिलटाप के महाप्रबंधक अल्ताफ अहमद राथर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि यह हाल के वर्षों में हमने देखा सबसे बुरा समय है। होटल के कर्मचारियों के अनुसार, मंदी के कारण अब लगभग 115 कर्मचारियों को कम कार्यभार का सामना करना पड़ रहा है।

होटल के एक कर्मचारी के बकौल, काम की कमी के कारण प्रत्येक कर्मचारी को महीने में 15 दिन आनलाइन ड्यूटी पर आने के लिए कहा गया है। इससे हमारी कमाई पर सीधा असर पड़ेगा।

अचानक आई गिरावट को पहलगाम हमले के बाद बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं से सीधे तौर पर जोड़ा जा रहा है, जिसमें दुखद रूप से पर्यटकों के एक समूह को निशाना बनाया गया था और कई

लोग हताहत हुए थे। इस घटना ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है, जिससे बड़े पैमाने पर बुकिंग रह हो रही है और नई बुकिंग में बढ़ी गिरावट आई है। इस झटके के बावजूद, जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग ने पर्यटकों से घबराने की अपील नहीं की है। एक सार्वजनिक अपील में, विभाग ने आश्वासन दिया कि ट्रिपस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए एक जीवन रेखा है, और मौजूदा स्थिति ने दीर्घकालिक प्रभावों की आशंकाओं को जन्म दिया है यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है। स्थानीय हितधारक अब पर्यटन क्षेत्र को वापस पटरी पर लाने के लिए तेजी से सुधार उपायों और बेहतर सुरक्षा विश्वास की उम्मीद कर रहे हैं।

श्रीनगर में पांच मई को लगेगा दरबार, नाम होगा प्रशासनिक मूव

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 01 मई।

जिस डेढ़ सौ साल पुरानी दरबार मूव की व्यवस्था को धारा 370 हटा दिए जाने के बाद बंद कर दिया गया था उसके तहत पांच मई को ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में यह लगभग 500 कर्मचारियों व अफसरों के साथ फिर से लगेगा। धारा 370 हटाए जाने के बाद बस इसे प्रशासनिक मूव का नाम दिया जा रहा है। इतना जरूर था कि पहले इसी मूव के तहत 10 हजार के लगभग सरकारी अमला 6-6 माह दोनों राजधानियों में रहता था। जानकारी के लिए जम्मू कश्मीर में अभी भी दो राजधानियां कायम हैं चाहे दो संविधान और दो निशान समाप्त हो चुके हों।

दरअसल इस प्रक्रिया को सरकारी तौर पर दरबार मूव का नाम नहीं दिया जा

रहा है बल्कि कहा जा रहा है कि कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार जम्मू व श्रीनगर के नागरिक सचिवालयों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भिजवाने की परंपरा है क्योंकि प्रदेश में अभी भी दो राजधानियां हैं। और इस मूव के तहत आने वाले कर्मियों की संख्या भी निर्धारित नहीं है जो जरूरत के मुताबिक कम या ज्यादा हो सकती है।

दरबार मूव की नई व्यवस्था के तहत प्रदेश की शीतकालीन राजधानी जम्मू में उप राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री का दरबार पिछले महीने जम्मू में बंद हो चुका है। हालांकि दरबार मूव के साथ जरूरत के आधार पर कर्मचारियों के अलावा मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मंत्रियों व उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, पुलिस महानिदेशक, मुख्य सचिव व

प्रशासनिक सचिव के कार्यालयों के कर्मी 5 मई से कामकाज संभाल लेंगे। जम्मू कश्मीर में लंबे समय से चली आ रही वार्षिक स्थानांतरण परंपरा को 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान रोक दिया गया था। कश्मीर में कड़ाके की ठंड की स्थिति के कारण अक्टूबर से मई तक सरकार को श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित करने की प्रथा थी। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठन के बाद अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री हैं।

इस दरबार मूव की परंपरा को आधिकारिक तौर पर वर्ष 2021 से बंद किया जा चुका है, उसके प्रति सच्चाई यह है कि यह गैर सरकारी तौर पर लगभग 500 कर्मियों के साथ फिलहाल जारी है। ये कर्मी पिछले 4 सालों से उपराज्यपाल, मुख्य सचिव और वित्त विभाग के वित्त आयुक्त, सामान्य

प्रशासनिक विभाग के आयुक्त सचिव तथा पुलिस महानिदेशक के कार्यालयों के कर्मचारी हैं जो दोनों राजधानियों में आ-जा रहे थे।

जम्मू में मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों के साथ ही उप राज्यपाल मनोज सिन्हा का दरबार सजाने के लिए नागरिक सचिवालय से लेकर राजभवन में साज सज्जा व मरम्मत कार्य मार्च से ही शुरू हो चुका था। इतना जरूर था कि दरबार मूव की परंपरा को बंद करने का समर्थन मात्र मुद्दीभर उन लोगों द्वारा ही किया गया था जो एक राजनीतिक दल विशेष से जुड़े हुए हैं जबकि जम्मू का व्यापारी वर्ग इससे दुखी इसलिए है क्योंकि इतने सालों से कश्मीर से दरबार के साथ सर्दियों में जम्मू आने वाले लाखों लोगों पर उनका व्यापार निर्भर रहता था। जो अब उनसे छिन चुका है।

उत्तर प्रदेश में हुआ 582

जजों का तबादला

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की न्यायधिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल हुआ है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राज्य भर में कुल 582 न्यायाधीशों का तबादला किया गया है। इसमें वाराणसी में हाई प्रोफाइल ज्ञानवापी मामले की सुनवाई करने वाले जज रवि कुमार दिवाकर भी शामिल हैं। उन्हें बरेली से चित्रकूट जिले में ट्रांसफर दे दिया गया है।

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल राजीव भारती द्वारा बुधवार 30 अप्रैल को अधिसूचना जारी की गई। इसके माध्यम से सभी जजों के तबादले की घो-षणा की गई। सूची में 236 अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश, 207 वरिष्ठ डिवीजन सिविल जज और 139 जूनियर डिवीजन सिविल जज शामिल हैं। इससे पहले सोमवार 28 अप्रैल को 62 जजों का ट्रांसफर अन्य जिलों में किया गया था। अब सिर्फ दो दिन बाद एक और बड़ा फेरबदल उत्तर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में देखने को मिला।

अनधिकृत ऑटो और ई-रिक्शा के खिलाफ अभियान का दिखा असर

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सुदृढ़ कानून व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा के लिए अनधिकृत ऑटो व ई-रिक्शा के खिलाफ चलाए गए अभियान का काफी सकारात्मक असर रहा। यह अभियान पहली अप्रैल से 30 अप्रैल तक सभी 75 जनपदों में चला। सुरक्षा के दृष्टिगत इस अभियान को एक तरफ जहां आमजन का समर्थन मिला, वहीं नाबालिगों के हाथों से ई-रिक्शा की कमान भी छुड़वाई गई। परिवहन विभाग, स्थानीय पुलिस व जिला प्रशासन के संयुक्त नेतृत्व में पूरे माह तक जागरूकता अभियान भी चलाया गया। सुगम यातायात व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो, इसके लिए चालकों को जागरूक भी किया गया। अभियान के दौरान नागरिक सुरक्षा व कानून व्यवस्था पर भी पूरा जोर रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के उपरांत अवैध ई-रिक्शा पर कार्रवाई की गई। इसमें 3784 अपंजीकृत ई-रिक्शा के चालान हुए, जबकि 11425 वाहन सीज किए गए। अन्य अभियोगों में 32989 वाहनों का चालान किया गया। एक माह की अवधि में कुल चालान 36773 रहे।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत

एक माह में 6 हजार युवकों को दिया गया लोन

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गई है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अभी एक माह यानी 30 दिन बीते हैं और अब तक प्रदेश भर में 48 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं, जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लक्ष्य 1 लाख 50 हजार रखा है। इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। योजना का लाभ देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है जबकि दूसरे स्थान पर आगरा और तीसरे स्थान पर हापुड़ है। इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष

2025-26 में लक्ष्य 1 लाख 50 हजार के सापेक्ष पहले 30 दिनों में पूरे प्रदेश से 48,086 युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि 40,635 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से 9,867 आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है जबकि 5,838 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है। वहीं अगर पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की करें तो एक लाख लक्ष्य के सापेक्ष 1,78,662 आवेदन प्राप्त हुए जबकि 1,44,273 आवेदन बैंकों को फॉरवर्ड किये गये। इनमें से 40 हजार से अधिक आवेदन बैंक ने स्वीकृत किये और 28 हजार से अधिक युवाओं को लोन वितरित किया। इसके लिए एमएसएमई विभाग की ओर से 113 करोड़ रुपये की

मार्जिन मनी स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर जिले ने सबसे अधिक आवेदनों को लोन वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को स्वरोज-गार उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिले को अभियान के तहत 2,200 युवाओं को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष पिछले एक माह में 1,397

आवेदन प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष 1,176 आवेदनों को बैंक को भेज दिया गया है। इनमें से 447 आवेदनों को बैंक ने अपनी स्वीकृति दे दी है जबकि 257 आवेदनों को लोन वितरित किया जा चुका है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में पिछले एक माह में जौनपुर ने सबसे अधिक युवाओं को लोन वितरित कर पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह आगरा ने पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आगरा को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,700 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष एक माह में 986 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 921 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 338 आवेदनों को लोन देने के लिए बैंक ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है जबकि 197

को लोन वितरित किया जा चुका है।

पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में हापुड़ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हापुड़ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1700 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष एक माह में 516 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 314 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 192 आवेदनों को लोन देने के लिए बैंक ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है जबकि 167 को लोन वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा झांसी ने 143 युवाओं को लोन वितरित कर प्रदेश में चौथा और गोरखपुर ने 134 युवाओं को लोन वितरित कर पूरे प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही योजना का लाभ देने में बरेली, आजमगढ़, मेरठ, मुजफ्फरनगर और कानपुर नगर का भी प्रदर्शन शानदार रहा।

खराब मौसम से फसल और जनहानि का 24 घंटे में दिया जाएगा मुआवजा

लखनऊ, 01 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेमौसम बारिश, आंधी, तूफान और आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि का मुआवजा 24 घंटे के भीतर देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे कर 24 घंटे में मुआवजा देने के भी निर्देश दिए हैं ताकि प्रभावितों को राहत प्रदान की जा सके।

उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में अचानक मौसम ने करवट ली। इससे गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों तेज आंधी, तूफान, बारिश के साथ आकाशीय बिजली भी गिरी। ऐसे में सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर जनहानि का सर्वे करने के निर्देश दिये। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि 1 मई को सुबह 8 बजे अचानक पूर्वांचल के जिलों में मौसम ने करवट ली। इस दौरान गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों में तेज आंधी, तूफान, बारिश और आकाशीय बिजली गिरी। इससे यहां के किसानों की फसलों को नुकसान होने के साथ जनहानि भी हुई। उन्होंने बताया कि गोरखपुर और बस्ती में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 4 लोगों की मृत्यु हो गयी।

संपादकीय

पाक ने पाप स्वीकारे

पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए पहलगायम को खौफनाक आतंकवादी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान के नकबाकार कर दिया है। भारत तथा अफगानिस्तान के आगे लाचार हनुम पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की सल साँच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से वीवीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तानी ने यें गंदा काम मरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक धर्म का पालन नहीं किया ?

भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथी की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाटशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जगह हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी का रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-राशापाक बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के साक्ष्य प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तानी राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों ने नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में राजाख सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक देश के उच्चाधिकारी एक जहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों में वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। हमलों को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही

सामने आया। बहरहाल, पाक आज पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पकिस्तान दुनिया को शांति के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको संख्ये अर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक़्त आ गया है।

कुछ

अलग

स्थानान्तरण में आत्मबोध

प्रशासन में कम की परीक्षा कभी मुकम्मल नहीं होती, फिर भी व्यवस्था की आपूर्ति में अधिकारियों के जन्मे किसी भी सरकार का पूरा कालखंड होता है। हर अधिकारी के फर्ज में सरकार का रुत्बा गुंत्ता है और अगर यही नगीने खनक जाणू तो छवि की पत्ताका पर संदेह होना लाजमी है। सरकारों का अपना-अपना ट्रांसफर काल भी दिखाई देता है। हम इसे पटवारी से लेकर राज्य के मुख्य अधिकारी तक देख सकते हैं। लोग बेहतरी समीक्षक होते हैं, और कई बार सरकारों के ट्रांसफर आर्डरों का विरोध भी करते हैं, लेकिन जनापेक्षाएं भी सियासत की तरह अकसर मोम नहीं होतीं। नुकुले प्रश्नों की आबरू में सबसे ज्यादा पैमाइश और अजमाइश प्रशासनिक अधिकारियों की ही होती है, जहां हर पड़ाव एक ट्रांसफर है। जाहिर है धर्मशाला से भरमौर भेजे गए एसडीएम संजिव कुमार भट्ट के ट्रांसफर का आर्डर भी पड़ाव रहे होगे, लेकिन निज संदेहों की बरसात हो रही है, उन्हें सिर से सनकारा भी नहीं जा सकता। भोट सिर्फ एक अधिकारी या सेवा काल का बिछौना एक कि चंद दिनों में किन्नीर, डोडया-क्वार, धर्मशाला और अब भरमौर में प्रशासनिक अधिकारी बना कर बिछा दिया जाए। संजीव भट्ट से जुड़ी अपेक्षाएं एक आदर्श में नहीं, उनकी क्षमता में अधिकार प्राप्त अधिकारी से हैं। जाहिर है सरकार को भरोसा है, इसलिए चौथी जगह एसडीएम बनाए गए, लेकिन बार-बार के प्रस्थानतरण उनके व्यक्तितगत व स्थानीयक जीवन को कहीं न कहीं हास्यास्पद बनाते रहे हैं। यही वजह रही कि इस अधिकारी ने अपने क्षोभ की परिणति में पद से ही त्यागपत्र देकर अपनी प्रशासनिक कुंडली में विराम और सचिवालय की एक जुंडली में अविश्रान्त लिख दिया। यह कोई छोटी घटना नहीं,

उमेश चतुर्वेदी



भारतीय कृषि की चुनौतियों को देखते हुए इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं। भारतीय किसान मेहनत तो खूब करता है, लेकिन आधुनिकीकरण की कमी, मांग और स्थान के लिहाज से व्यवस्थित आपूर्ति प्रबंधन की कमी और कृषि जोत में लगातार कमी के चलते उसे उसके परिश्रम का वाजिब फल नहीं मिल पाता। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने किसान उत्पादक संगठन की परिकल्पना की, इसके अंग्रेजी शब्दों के पहले अक्षर के नाम पर इसे एफपीओ के नाम से भी जाना जाता है

दृष्टि

कोण

पहलगाम

अपने परिवारों के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में पहुंचे पट्टेको पर हमला करके उनको मौत के काग़ उताराना हमलावरों और उनके आकाओं की वशी, आमनाशायी और धृष्ट मानसिकता को साफ-साफ प्रदर्शित करता है। इस हमले में हिंदू पुरुषों के जिस प्रकार चुन चुन कर उनके परिवारों के सामान निशाना बनाया गया और उनके हिंदू होने की पहचान के लिए जिस तरह के शर्मकंद अपनाए गए, वो बहुत ही निम्न स्तरीय और मानवता को हथकंद करने वाले हैं। जिस प्रकार से हमलावरों ने पट्टेको पर हमले से पहले उनके धर्म पूछे, कत्तमा पट्टेको पर कहे और उनके कपड़े उधर कर उनकी तहजीब स्थापित करने की कोशिश की उससे इस बात की तस्दीक हो जाती है कि हमलावर एक निश्चित योजना के अनुसार हमला कर रहे थे और वे किसी तरह की जल्दबाजी में भी नहीं थे। उनको इस बात का भी पूरा ज्ञान था कि और हमारे देश के खूबियां तब की आंखों में धूल थोक दी हैं और हमारे देश के प्रति भी आवश्यक्त से इस वक्त कोई उनका

2014 के आम चुनावों के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली भारतीय जनता पार्टी ने पत्र में साल 2022 तक भारतीय किसानों की आय का वादा किया था। भारतीय कृषि की चुनौतियों को स लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं। भारतीय जनत तो खूब करता है, लेकिन आधुनिकीकरण की प्रगति स्थान के लिहाज से व्यवस्थित आपूर्ति प्रबंधन की कृषि जोत में लगातार कमी के चलते उस उसके फल नहीं मिल पाता। इन्हीं समस्याओं को ध्यानमें रखी मोदी ने किसान उत्पादक संगठन की नीति, इसके अंग्रेजी शब्दों के पहले अक्षर के नाम पर के नाम से भी जाना जाता है। इस परिपक्वता को मोदी ने 29 फरवरी 2020 को मूर्त रूप दिया। इस फलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। मोदी ने के टीक पांच साल बाद यानी 24 फरवरी 2025 में भारतभर में प्रधानमंत्री ने दस हजार से एफपीओ की बिहार के खाइया गिज़ में पंजीकृत इस एफपीओ की कला, केला और धान की फसल के उत्पादन और न पर है। साल 2020 में दस हजार एफपीओ का जो वार था, वह पूरा हो चुका है। इहराला एफपीओ को साल 2027-28 तक के लिए सरकार ने छह हजार करोड़ रूप का प्राधान्य किया है। इनकी मदद से विविधता संसाधन मुहैया हुआ। इसकी वजह से आने वाले फसल किसान संगठन है, बल्कि किसानों की आय में गैरे किसानों को अहम बाजार लाभ, मोल-भाव की बाजार तक पहुंच में सुधार की दिशा में सीधी पहुंच वाला मंच बन चुका है। इस मंच ने किसानों के देवबाजी की ताकत दी है। अब तक के उपलब्ध हसाब से देखें तो देश के पंजीकृत एफपीओ में करीब सौ सौ सीधे जुड़े हुए हैं। जिनमें करीब 40 प्रतिशत सरकार की समर्थन, बाजार तक सीधी पहुंच और स की वजह से ये एफपीओ कृषि क्षेत्र में अब हजारों किसानों का ना सिर्फ सीधे करोबार कर रहे हैं, बल्कि किसानों को न के सिहें योगी ने दे रहे हैं। सवे पहले जताते हैं। उत्पादक संगठन यानी एफपीओ क्या हैं? एफपीओ

युद्ध के लिए क्यों

कुछ नहीं बगाड़ सकता। आकांक्षी अपनी योजना का अंशूरूप सूर्य के समान फैलायेगा ही है। यह आतंकी हमला देश की सुरक्षा व्यवस्था पर तो धरतीन्द लगता ही है, साथ ही साथ देश के खुफिया तंत्र की नाकामयाबी की घोषणा भी हो सकती है। इस आतंकी हमले में न केवल मौसम और निर्दोष पर्यटकों का जाल ही गई, बल्कि वहाँ पर मौजूद जिंदा बचे लोगों के दिलों में देशात डालकर इस देशरत को हल में फैलाने और सरकार को उकसाने का काम भी किया गया है। अमूमन किसी भी तरह के हमले में हमलावरों की मान्यतात ज्यद्द से ज्यद्द लोगों को हाताहत बनाने और ज्यद्द लोगों को मारकर देशरत का माहौल बनाने की होती है, लेकिन यहाँ हमला जो सवाल खड़े करता है उनके बारे में सभी को गभीरत से विचार करने की आवश्यकता है। इस हमले में चञ्ची और महिलाओं को निशाना बनाने की बजाय उनके दिलों में देशरत डालकर छोड़े दिया गया ताकि उनके द्वारा यह देशरत पूरे देश में फैला जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि इस आतंकी हमले का एक उद्देश्य देश में धार्मिक उन्माद को बढ़ाकर और कमजोर करने का प्रयास भी है। यह हमला युद्ध के लिए उकसाने का प्रयत्न भी है। अब प्रश्न यह भी है कि आखिर

A photograph showing a man in a red turban and shirt leading two oxen in a field. The oxen are harnessed together, and the man is holding a stick. The background shows a rural landscape with trees and a body of water.

असल कंपनी अधिनियम के चौदहवें भाग के खंड ए के तहत सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत किसान-उत्पादक संघों की हैं। खेती-किसानी और उससे जुड़ी गतिविधियों और उत्पादन के साथ ही विपणन से फायदा उठाने की कोशिश के तहत इन संगठनों को खड़ा किया गया है। एफपीओ के सदस्य किसान होते हैं, इस लिहाज से कह सकते हैं कि एफपीओ एक तरह से किसान-सदस्यों द्वारा नियंत्रित उनका अपना रैखीक संगठन हैं। इसके सदस्य इसकी नीतियों के निर्माण और उन पर फैसला लेने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इनकी सदस्यता के लिए लिंग, समाज, नस्ल, राजनीतिक या धार्मिक विचार आदि का ध्यान नहीं रखा जाता। इन सदस्यता उन सभी लोगों को मिल सकती हैं, जो इसकी सेवाओं का उपयोग तो कर ही सकते हैं, सदस्यता की ज़िम्मेदारी को स्वीकार कर सकते हैं। एफपीओ के संचालक अपने किसान-सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, प्रबंधकों एवं कर्मचारियों को जरूरी शिक्षा और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं, ताकि वे अपने संगठन के विकास में प्रभावी भूमिका निभा सकें। सहकारी आंदोलन प्रवाची राज्यों मसलन, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि में इन्होंने बेहद उल्लेखनीय जनक तंत्री देखिए हैं। इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी जबदस्त तरीके से बढ़ रही है। साल 2024 के आंकड़े के अनुसार, इस साल नव रजिस्टर्ड हुए 810 एफपीओ ऐसे रहे, जिनकी प्रत्येक सदस्य सिर्फ महिलाएँ हैं। बहरहाल एफपीओ के जर्जर एफएलएलएलएल के बदले बेहतर कामाई कर पा रहे हैं। राजस्थान के पाली जिले की आदिवासी महिलाओं से उनके उत्पादक कंपनी का गठन किया और इसके माध्यम से उन्हें शरीफा/कर्टर्ड एफएलएल के उच्च मूल्य प्राप्त हो रहे हैं। इन संगठनों

क्या रहा पाकिस्तान

हमलावरों या उनकी आंकां पोकिस्तान इस तरह को र
क्यों देना चाहता है? क्या यह पाकिस्तान का
आत्मनिश्चय है या इसके पीछे भी कोई चाल है? इस
के बाद पूरे देश में गुस्सा है और हर देशवासी सरक
उम्मीद लगाए बैठ है कि सरकार को इस हमले को ब
लेने के लिए किसी भी हद तक चले जाना चाहिए और भ
इसके लिए भारत और पाकिस्तान में युद्ध की नींव प
जाए। भारत में इस समय हिंदू पक्षधर सरकार है, यह
पाकिस्तान में बैठे हमलावरों के आका भी जानते हैं
हिंदुओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध इस सरकार के लिए यु
निर्णय लेना कोई कठिन कार्य भी नहीं है, यह भी जान
है। लेकिन क्या सरकार वही करने जा रही है जो दु
करसान चाहता है? और क्या हम वैसे ही रिपब्लिकन
जैसे हमलावरों ने सोचा था? इन कुछ प्रश्नों पर गंभीर
सोचने की जरूरत है। पाकिस्तान जैसे आतंक को पोष
वाले देश के खिलाफ कार्रवाई के लिए वैसे तो किसी आ
हमले का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। इससे पहले
1965 और 1971 में पाकिस्तान को युद्ध में धूल चढ़ चु
लेकिन पाकिस्तान फिर भी अपनी हथकौती से पूल बना

के गठन के पीछे की अवधारणा बुनियादी रूप से किसानों के कल्याण पर केंद्रित है। इसके जरिए कृषि उत्पाद तैयार करने वाले किसान अपने लिए समूह बना सकें। शुरू में ही दस हजार किसानों के गठन का असल मकसद, स्थानीय आमदनी केन्द्रित किसानों और उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाना है। इस योजना पर साल 2027-28 तक छह हजार 865 करोड़ रुपए के साथ शुरू किया गया था। सरकार इस योजना की सफलता को लेकर कितनी संजोदा है, इसका अंदाजा सीटी बात से लगाया जा सकता है कि इस योजना के तहत गठित हर नए एफपीओ को पांच साल के भीतर ही 18 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही एफपीओ के प्रत्येक सदस्य किसान को दो हजार रुपए का प्रतिभूति अनुदान दिया जा सकता। जिसकी सीमा प्रति एफपीओ 15 लाख रुपये होगी। इसके साथ ही उन्हें संस्थागत ऋण सुनिश्चित करने के लिए हर एफपीओ को दो करोड़ रुपये तक के पर्सियोजना ऋण की गारंटी उपलब्ध दी जा रही है। भारतीय किसानों की सबसे बड़ी समस्या उनकी पैदावार को सही जगह और खेदोदात्त तक पहुंचाने के लिए व्यवस्थित प्रबंधन की कमी है। इसके साथ ही भारतीय खेती की जोत लगातार कम होती चली गई है। देश में औसत जोत का आकार साल 1970-71 में जोत 2.3 हेक्टेयर था, वह साल 2015-16 में घटकर महज 1.08 हेक्टेयर रह गया। इसी तरह खेती में छोटे और सीमांत किसानों की हिस्सेदारी साल 1980-81 के 70 प्रतिशत की तुलना बढकर साल 2015-16 में 86 प्रतिशत हो गई। दरअसल घटती जोत और बढ़ती किसान हिस्सेदारी के चलते किसानों की आय या तो बढ नहीं रही या फिफे घट रही है। ऐसे में एफपीओ किसानों के लिए बढदान बन कर सामने आ रहे हैं। अब एफपीओ पट्टी के साथ, उनके बेहतरीन विपणन और सरल पर पट्टी के उपयुक्त ही खेती में नवाचार और विकास की दिशा में सहयोगी रुख अपना रहे हैं। इसका असर है कि एफपीओ के जरिए जहाँ खेती की उम्मीद बढ रही है, वहाँ किसानों वैकल्पिक उपजों के सहारे अपनी आय को बढा रहे हैं। एफपीओ ओके, सीमांत और भूमिहीन किसानों को खेती के अवसरों और प्रौद्योगिकी, गुणवत्तायुक्त बीज, खाद और कीटनाशकों की पट्टी सुनिश्चित कर रहा है।

आरंभ उत्तर 1999 में भारत से कारगिल में अपना आकाश दिखाने और उस युद्ध में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी थी। इस बात भी अगर युद्ध हुआ होता है तो भारत की सेनाओं के पराक्रम के आगे पाकिस्तान कहीं भी ठहर नहीं जाएगा। लेकिन सोचने पर बाढ़ी बात यह है कि क्या यह युद्ध आखिरी युद्ध होगा या इसके बाद फिर से कुछ सालों के बाद इसी प्रकार के हालात से जूझना होगा भारत को ऐसी ही लड़ाई लड़नी पड़ेगी। हमारे देश की तरक्की और विकास की रफ्तार से कुछ पड़ोसी मुल्कों को बहुत अधिक तकलीफ है और अब उनको लगना है कि अगर भारत को विकास के रास्ते से हटायकर पीछे करना है तो इसका एकमात्र हथियार युद्ध है। युद्ध किसी भी देश की तरक्की में बहुत बड़ा रोड़ा सिद्ध होते हैं। इसलिए दुश्मन की बाल और उसकी मानसिकता को समझते हुए इस बात ऐसा जवाब दिया जाना चाहिए जिससे दोबारा से पाकिस्तान अपनी गर्दन उठाने की हिम्मत न कर पाए। सिंधु जल समझौते को रद्द करके पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन सकता है। यह कूटनीतिक पहल पाकिस्तान को घुटनों के बल ला देगी। भले ही इसके लिए बहुत अधिक समय लागेगा, लेकिन इसके परिणाम पाकिस्तान के लिए अत्यंत थकावत सिद्ध होंगे।

देश

दुनिया से

प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य हो कृषि शिक्षा

जीवन

मनुकुलता में भी सबसे महत्वपूर्ण है प्राकृतिक जल और भोजन। यह मानव को तब ही सहजता से उपलब्ध हो सकता है जब देश-निदेश में कृषि की समुचित व्यवस्था हो। इस लेख की प्रस्तावना का आशय यह है कि मनुष्य के जीवन में प्राकृतिक व परंपरिक कृषि व्यवस्था अत्यंत अनिवार्य है। इस देश की राजनीतिक अकर्मण्यता, भ्रष्टाचार और आधुनिक विकास के तकनीकी, औद्योगिकीय कोष प्रण ही केन्द्रित रहने की शासकीय महत्वाकांक्षाओं ने उद्योगों को चहुँदिस चहुँदिस प्रकार की इसकी तुलना में कृषि क्षेत्र को उपेक्षित छोड़ दिया गया। खेती-फिसानी की ऐसी उपेक्षा का प्रभाव भारतीया शिक्षा नीति पर पड़ा। फलतः प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों में कृषि से संबंधित विषयवस्तु अदृश्य है। छोटी 'अ' से अस्पष्ट और बड़ी 'आ' से आम सच आरंभ होने वाली प्राथमिक शिक्षा में कृषि के बारे में ज्यादा कुछ नहीं है। यदि बच्चों के मन-मस्तिष्क में छोटी आयु और शिक्षण-कक्षाओं के छोटी हीन-विज्ञान नहीं डाला जाएगा तो आगे बड़ी कक्षाओं में जाने पर वे विषयवस्तु के संबंधी रुचियों से से कृषि विषय में आत्मसंरक्षित कैसे प्रदर्शित करेंगे। कक्षा एक से लेकर बारहवीं तक पूरे बारह वर्षों की समयवर्षा में कक्षा-प्रति कक्षा जब तक नहीं कृषि व इसके विभिन्न उपक्रमों के बारे में पढ़ाया-लिखा जाएगा, विद्यावारिधिर शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और कृषि कार्य के संबंधित कार्य-आयोजित होने वाली विभिन्न कार्यशालाओं में जाने का अवसर उपलब्ध होगा। दूसरा कारण, तब ही तो वे कृषिकारी कार्य के बारे में अपेक्षित ज्ञान से संतुष्ट हो पाएंगे। ऐसा होने पर ही उनका मनोविज्ञान खेती के संपूर्ण साहित्य से परिचित हो पाएगा। बच्चे यदि शुद्ध आहार-विहार अपनाने के प्रति जागरूक हों ही हैं तो इसका प्रमुख कारण यही है कि उन्हें बालपन से ही विद्यालयों में इस विषय में शिक्षित नहीं किया गया। इसीलिये उन्हें कृषि वारी प्रमुख फसलों, पशुपालन, फल-फूल, वन-वनस्पतियों, औषधियों के गुण-दोषों की जानकारी भी नहीं है और संभवतः यही कारण भी है कि वे खानपान की दृष्टि से वादलों से प्रस्त हैं। घर में या विद्यालयों में उन्हें इस संदर्भ में औपचारिक ढंग से बताया जाता है। अभिभावक, शिक्षक और नीति-निर्णायक ही जब कृषि पर समते हैं। यह अत्यंत विचारणीय है। देश के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से लेकर राज्यों के शिक्षा मंत्रालयों को इस दिशा में गंभीर होकर चिंतन-मनन करना ही होगा। इस काल के मनुष्य जीवन का दुर्भाग्य ही है कि उद्योगों, कारखानों, कार्यालयों और प्रगति संबंधी विज्ञान परियोजनाओं में रूचि लिए गए दिन वनक्षेत्र काटे जा रहे हैं। इसके लिए रोजाना ही कृषि क्षेत्र में भी मही हो रही है। प्रकृति का असंतुलन कई दशकों से सार्वजनिक चिंता के केंद्रबिंदु है ही। प्राकृतिक असंतुलन के कारण जनजीवन प्रतिक्षार असुरक्षित होता रहा है। ऋतु की विकृतियां भयंकर रूप में सामने आ रही हैं। धरती, वायु, जल, वायु, अग्नि, ये सभी तत्व हर दिन मलिन हो रहे हैं। परिणामस्वरूप धरती का फल-फलचक्र बिगड़ चुका है। फसलों की प्राकृतिक

शक्ति लगभग समाप्त ही हो चुकी है। खाद्यान्न उत्पादन पूरी तरह कृत्रिम रसायनमिश्रित और विषैले उर्वरकों के खाद पर निर्भर हो चुका है। पारंपरिक और नैसर्गिक खाद्यान्न-बीज विलुप्त होने की कगार पर हैं। ग्राम, ग्रामजीवन, ग्रामीण व्यवस्थाओं का समापन अंतिम स्तर पर है। सर्वजनजित चेतनहीनता के इस कालखंड में पूरी तरह सिद्ध हो चुका है कि विज्ञान केवल और केवल अधिशासक बनकर मनुष्य के लिए पर मंडरा रहा है। चारों ओर आधुनिक जीवन द्वारा उत्पन्न की गई समस्याओं, रोगों और महामारियों असुख फैली हुई है। जीवन का स्वाभाविक आनंद क्या होता है, इसमें मनुष्य अभिज्ञ है। हरक खाद्य और पेय पदार्थ शरीर का पोषण करने के बजाय उन असाध्य रोगों से खत्म कर रहा है। देश में जितने भी कृषि विद्यालय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और अन्य शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान हैं, हालांकि उनमें कृषिगत विषयों का पठन-पाठन ही रहा है और यथाभव प्रायोगिक प्रशिक्षण भी हो रहे हैं, पर व कहीं न कहीं प्रासृतिक तत्वज्ञान रहित है। ऐसे पठन-पाठन में कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए येन-केन-प्रकारेण कृत्रिम कृषिकर्म की ही जानकारी दी जा रही है। बीज, खाद और फसलों के कृषि-संरक्षण और उत्पादन के लिए रासायनिक पदार्थों की सहायता विलक्षण जा रहा है। कृषि संस्थानों, प्रिन्टनों और उद्यमों में बीजों पर प्रयोग का जैसा अभ्यास कुछ दशकों से किया जा रहा है, उससे कृषि उत्पादों में कोई-कोई हानिकारक तत्व स्थायी रूप में पहुंच रहा है। चूँकि यह प्रक्रिया वर्षों पुरानी हो चुकी है और कृषि से जुड़े हरक व्यक्ति को इसमें अधिक शारीरिक व मानसिक श्रम नहीं करना पड़ता, इसलिए इसमें उत्पाद को पूरे रूप से हानिरहित करने के नवीन प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। आखिर में इसमें अप्रत्याशित दुष्परिणाम मनुष्य की काया ही झेल रही है। इसके अलावा जल व्यापारी गाँवों, नगरों-महानगरों के असेमण्डित क्षेत्रों में मिलावटी और जहरीले अनाज बेच रहे हैं और जितने बड़े व व्यापक स्तर पर, जितनी ज्यादा आबाद क्षेत्रों को नवाच रहे हैं, मिलावटी अनाज और अनाज में प्रयोग होने वाले प्राणघातक अवैध रसायनों का कारोबार भी उसी मात्रा में बढ़ रहा है। ऐसी मानव विरोध व्यापारिक, औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए व इनका नियंत्रण करने के बजाय सरकारों मिलावटी अनाज खाकर स्थायी रूप में बीमार रहने वाले लोगों का इलाज करने की आड़ में बेडिस प्राइवेट हॉस्पिटलों को खोलने के मुहिम भी चलाए हुई हैं। बचपन से बच्चों को कृषि शिक्षा से वंचित रखकर, बेहोकर उन्हें मिलावटी अनाज पर निर्भर करके और आखिर में जहरीले खाने पीने के बाद क्षतिग्रस्त अंगों के इलाज के लिए उन्हें निजी अस्पतालों में भर्न कर हाँकड़ कर कृषि तरह की सारक जिनमेदारी निभाई जा रही है, यो सवाल देश के हरक संवेदनशील व्यक्ति को भीतर-बाहर यूँ तरह कचोकर रहा है। देश, समाज और घर-परिवारों में जो तरह-तरह की बुराइयाँ समस्याएँ व विचंगतियाँ पनपी हैं और तेजी से पनप रही हैं, उनका प्रमुख कारक यही परिस्थिति है। जब मनुष्य का तन-मन अप्राकृतिक व कृत्रिम अनाज खाकर और अशुद्ध ज्वलान करके अस्वस्थ होता, तो समाज-पनपने में दुरांगों से युक्त आचार-ज्वलान ही पनपोया व फैलोया।

यह सवालों का समय नहीं

सबसे

हस्से हैं। राष्ट्र का अस्तित्व है, तो सभी का अस्तित्व है। पहलवान नरसंहार हमारे भारत का आका, अस्तित्व और संप्रभुता पर हमला था। उसे तनिक भी भुलाया नहीं जा सकता। भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम एसे आघात बदरिश नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खिाफ-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नते कटुप्रश्नी किस्से के दिखाने देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किस्से भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाने के लिये नते 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किया है। एक बार उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खोल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन पर भारसा करना चाहिए। हमले के तुरंत बाद आतंकीयों और उनके आकाओं पर पलटवार के तौर पर हमला नहीं किया जा सकता। यह भी कूटनीतिक और सामरिक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली से कश्मीर तक बैठकों और गहन जांच के दौर जारी हैं। जांच में इसरो की भी शामिल किया गया है। तीनों आतंकीयों के घर जमींदोज कर दिए गए हैं। कुछ घरों में प्रस्फोटक भी दिखे हैं। करीब 2000 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच 40 मिनट की मुलाकात हुई। जाहिर है कि पाकिस्तान पर हमले के प्रायोजक पर विमर्श हुआ होगा। दुनिया के 40-45 देशों के राष्ट्राध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों आदि ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत को भरपूर समर्थन दिया है। प्रमुख मुस्लिम देश भी भारत के साथ खड़े हैं। चीन, तुर्किये परीछे देशों ने भी पाकिस्तान को सार्वजनिक समर्थन नहीं दिया है। वे पाकिस्तान की पितरत और हकीकत को जानते हैं। क्या कुछ विपक्षी दलों को ये गतिविधियां दिखाने नहीं देती? यह सवालों का नहीं, राष्ट्र के तौर पर एकजुट दिखने का समय है। प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक में न आ पाया को भी बुनियादी सवाल नहीं है। बैठक में रक्षा मंत्री और गृह मंत्री थे, जो सुरक्षा और खुफिया संबंधी सवालों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह होते हैं। क्या उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण नहीं थी? यह फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किए गए कथित 300 किरा आरडीएस विस्फोटक पर बार-बार सवाल करके का समय नहीं है। यह किसी कथित आतंकी को भाजपा का टिकट देने पर सवाल करने का भी समय नहीं है। यह आतंकी हमले गिनवाने का भी समय नहीं है।



नेपाल में पाकिस्तान के दूतावास के अधिकारियों को सौंपा गया झापन, असीम मुनीर और आतंकियों के बीच सांठगांठ का आरोप

काठमांडू, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इस समय अधिकांश देशों में पाकिस्तान के दूतावासों के सामने विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

लेकिन नेपाल में यह पहली बार हुआ जब पाकिस्तानी दूतावास के अंदर जाकर वहां के अधिकारियों को झापन सौंपा गया।

जापन में पहलगाम आतंकी हमले के लिए सेना प्रमुख असीम मुनीर को दोषी बताया गया। मुनीर के भड़काऊ भाषण के कारण पहलगाम घटना होने की बात कहते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।

यह वाक्या बुधवार को काठमांडू में हुआ जब हिन्दू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान के पदाधिकारियों ने पाकिस्तान के दूतावास के अंदर एक जापन दिया।

वैसे तो काठमांडू स्थित पाकिस्तानी

दूतावास के बाहर पिछले कुछ दिनों से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं लेकिन पहली बार पाकिस्तानी दूतावास के भीतर जाकर दूतावास के कर्मचारियों को दिए जापन में उनके ही कूटनीतिक अधिकारियों के सामने पहलगाम घटना के लिए उन्हें दोषी बताया गया।

अभियान के महासचिव देवेश झा ने कहा कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने हिंदुओं के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिया। इसका नतीजा है कि पहलगाम में धर्म पूछ कर

हिन्दुओं को गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि इन आतंकियों से मुनीर को कोई न कोई सांठगांठ जरूर रही होगी।

जापन में यूएन चार्टर्ड का हवाला देकर धर्म के नाम पर एक नेपाली नागरिक सुदीप न्यौपाने सहित 26 लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। जापन में सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2178 का सम्मान करते हुए अंतरराष्ट्रीय आतंकियों को कार्रवाई को रोकने की भी मांग की गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान ने बालाकोट की सैफुल मलूक झील को पर्यटकों के लिए खोला



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बालाकोट की काघन घाटी में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सैफुल मलूक झील को छह महीने बंद रहने के बाद पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। राजकुमार सैफुल मलूक और परी बदीउल जमाल की रोमांटिक किंवदंती से जुड़ी यह झील प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। खबर के अनुसार, पिछले साल नवंबर में भारी बर्फबारी के कारण झील की ओर जाने वाली सड़क बंद कर दी गई थी। अब इसे साफ कर यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। अब पर्यटक एक बार फिर झील के आसपास बर्फ से ढके नजारों का आनंद ले सकेंगे। बालाकोट पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के मनसहेरा जिले में स्थित है। बालाकोट इस्लामाबाद से लगभग 190 किलोमीटर, जम्मू-कश्मीर के उरी से 81 किलोमीटर और नियंत्रण रेखा से 50 किलोमीटर दूर है। पर्यटन सलाहकार जाहिद चानजेब और काघन विकास प्राधिकरण के महानिदेशक शबीर खान कहना है कि भारी मशीनरी की मदद से सड़क को साफ कर झील तक जाने का मार्ग बहाल कर दिया गया है। मुक्त के बाकी हिस्सों में गर्मी का प्रकोप है, मगर यहां का मौसम सुहावा है। झील के खुलने से सैकड़ स्थानीय जीप चालकों के लिए आजीविका के अवसर मिलने की भी उम्मीद है।

यूक्रेन को आखिरकार करना पड़ा अमेरिका से खनिज समझौता



वाशिंगटन। रूस के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका के अहसानों से दबे यूक्रेन को ना-नुकुर करते हुए आखिरकार खनिज समझौते पर सहमत होना पड़ा। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने पुष्टि की है कि अमेरिका और यूक्रेन ने खनिज संसाधन समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। यह समझौता, दोनों देशों के बीच खनिज संसाधन समझौते के समन्वय में अमेरिका और यूक्रेन के बीच एक निवेश कोष स्थापित करेगा। एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, यह समझौता अमेरिका को यूक्रेनी दुर्लभ पृथ्वी खनिजों पर अधिकार देता है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने विज्ञापि में कहा कि यह समझौता रूस को स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि ट्रंप प्रशासन लंबे समय तक एक स्वतंत्र, संपन्न और समृद्ध यूक्रेन पर केंद्रित शांति प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी लोगों और यूक्रेनी लोगों के बीच इस साझेदारी की कल्पना की। इसके अलावा बेसेंट ने एक्स पोस्ट भी इस समझौते की चर्चा की है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की फरवरी के अंत में खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने वाले थे। ओवल ऑफिस में दोनों के बीच तनावपूर्ण बातचीत के बाद यह योजना पटरी से उतर गई थी।

पाकिस्तान ने आईएसआई प्रमुख आसिम मलिक को एनएसए की दी जिम्मेदारी



इस्लामाबाद। बढ़ते तनाव और युद्ध के हालातों के बीच पाकिस्तान ने अपनी खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद आसिम मलिक को पाकिस्तान का नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया है। उन्हें यह जिम्मेदारी अतिरिक्त कार्यभार के रूप में सौंपी गई है। मलिक की नियुक्ति का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। यह निर्णय ऐसे समय पर लिया गया है जब पाकिस्तान की सरकार और सेना को भारत के हमला का भय सता रहा है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की सरकार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न देशों की राजधानियों में रवाना किया है ताकि वह अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटा सके। आतंकवादियों को बंकरों में छिपाया जा रहा है और नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बातचीत में कहा कि निकट भविष्य में भारत की ओर से सेना कार्रवाई संभव है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों का इस्तेमाल केवल तब करेगा जब देश के अस्तित्व पर सीधा खतरा हो। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तारार ने दावा किया है कि भारत 24 से 36 घंटे में पाकिस्तान पर हमला कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत की किसी भी आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और क्षेत्र में उत्पन्न किसी भी संकट के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है। पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों को देश से निकाला गया है।

पुश-अप्स से हार्ट अटैक का खतरा घटता है, अध्ययन में हुआ खुलासा

हार्वर्ड, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

क्या आप जानते हैं कि पुश-अप्स से हार्ट अटैक का खतरा घटता है। जी हाँ हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह सामने आया है कि यदि कोई व्यक्ति नियमित रूप से पुश-अप्स करता है तो वह हार्ट से जुड़ी गंभीर बीमारियों के जोखिम से काफी हद तक बच सकता है। आजकल हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और अक्सर खबरों में सुनने को मिलता है कि कोई चलते-चलते या डांस करते समय अचानक गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। अधिकतर मामलों में लोगों को यह पता ही नहीं होता कि उनके दिल में पहले से कोई समस्या मौजूद थी, क्योंकि शुरुआत में इनके लक्षण दिखाई नहीं देते। ऐसे में पुश-अप्स एक प्रभावी तरीका हो सकता है जिससे दिल को सेहत को सुरक्षित रखा जा सकता है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह पाया गया कि यदि 30 से 40 वर्ष की उम्र के बीच नियमित रूप से पुश-अप्स किए जाएं तो इससे दिल की कार्यक्षमता बेहतर होती है और धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमने की संभावना काफी कम हो जाती है। यह अध्ययन हाल ही में एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। रिसर्च के दौरान अग्निशमन दल के कुछ सदस्यों पर अध्ययन किया गया, जिसमें उनकी पुश-अप्स करने की क्षमता और स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया गया। परिणाम में सामने आया कि जो लोग आधे मिनट के भीतर 40 बार पुश-अप्स करने में सक्षम थे, उनमें अगले 10 वर्षों तक हार्ट अटैक या हार्ट फेल्योर जैसी बीमारियों का जोखिम लगभग न के बराबर था। वहीं, जो लोग 30 सेकंड में 10 से कम पुश-अप्स कर पाए, उनमें भविष्य में दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा अधिक पाया गया।

पुश-अप्स करते समय पूरे शरीर में हरकत होती है। केवल हथेलियां और पैरों की उंगलियां जमीन से स्पर्श करती हैं, जबकि शरीर हवा में संतुलित रहता है। इस अभ्यास में शरीर की छाती पर विशेष दबाव पड़ता है, जिससे दिल की पंपिंग क्षमता बढ़ जाती है और खून एक साथ अधिक मात्रा में पंप हो पाता है। साथ ही शरीर के सबसे दूर स्थित हिस्सों तक रक्त का संचार भी बेहतर हो जाता है। एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार कार्डियोलॉजिस्ट का मानना है कि पुश-अप्स हार्ट के लिए बेहद फायदेमंद व्यायाम है।



मानव स्वास्थ्य पर मंडरा रहा माइक्रोप्लास्टिक का खतरा: अध्ययन से हुए चौंकाने वाले खुलासे

मैक्सिको सिटी। न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक ताजा अध्ययन में मानव अंडकोष में 12 प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने की पुष्टि की है। यह खोज मानव प्रजनन क्षमता और स्वास्थ्य पर गंभीर खतरों का संकेत देती है। शोध में यह भी पाया गया कि मनुष्य के अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा कुत्तों के अंडकोष में पाई गई मात्रा से लगभग तीन गुना अधिक है। शोध से प्राप्त मुख्य निष्कर्ष में मानव अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक की औसत मात्रा 329.44 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम ऊतक पाई गई है। कुत्तों के अंडकोष में यह मात्रा 122.63 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम रही। सबसे आम माइक्रोप्लास्टिक पॉलीथीन था, जो प्लास्टिक बैग और बोतलों में उपयोग होता है। उसके बाद पीवीसी पाया गया। माइक्रोप्लास्टिक शरीर में कैसे प्रवेश करता है निगलने के माध्यम से: दूषित भोजन (जैसे समुद्री भोजन, नमक, फल-सब्जियाँ) और पानी (खासकर बोतलबंद) से। सांस के जरिये: हवा में मौजूद प्लास्टिक कण, जो सिंथेटिक कपड़ों, टायरों और रोजमर्रा के उत्पादों से उत्पन्न होते हैं। घरेलू वातावरण: बंद घरों में वेंटिलेशन की कमी और प्लास्टिक उत्पादों का अधिक उपयोग। स्वास्थ्य पर प्रभाव: इसके स्वास्थ्य में विपरीत प्रभाव की बात करें तो यह शरीर के विभिन्न अंगों में जमा हो जाता है इससे सूजन और कोशिका क्षति की आशंका बनी रहती है। हार्मोनल असंतुलन पैदा कर देता है। ऐसा बिस्फेनील ए (बीपीए) और फेथलेट्स जैसे रसायनों के कारण होता है। प्रजनन समस्याएं: अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक मिलने से प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक असर देखने को मिला है। गट माइक्रोबायोटा में असंतुलन पैदा हो जाता है, जिससे पाचन और प्रतिरक्षा तंत्र प्रभावित होता है।



राहत बचाव के काम में लगा एक कर्मचारी



यूक्रेन में रूसी ड्रोन हमले की जगह पर राहत व बचाव के काम में लगा एक कर्मचारी।

भारत को पाकिस्तान की चेतावनी, किसी भी उकसावे की स्थिति में देंगे करारा जवाब

इस्लामाबाद, 01 (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को भारत को किसी भी दुस्साहस से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी भी उकसावे की स्थिति में निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया देगा, हालांकि वह पहले कोई आक्रामक कदम नहीं उठाएगा।

डार का यह बयान हाल ही में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद आया है। भारत की ओर से इस हमले को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिसे लेकर पाकिस्तान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है।

इस्लामाबाद में डार ने आईएसपीआर के



महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत की राजनीतिक रूप से प्रेरित और भड़काऊ कार्रवाइयां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद से पीड़ित देश होने के नाते, पाकिस्तान निर्दोष नागरिकों पर हमले को पीड़ा को बेहतर समझता है। साथ ही पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा की और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से इस घटना की सख्त आलोचना करने का अनुरोध किया है।

डार ने भारत पर पाकिस्तान को इस हमले से जोड़ने के मनगढ़ंत और आधारहीन प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सुरक्षा विफलताओं और कश्मीर में जारी दमनकारी नीतियों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान हटाने के लिए ऐसे आरोप लगाता है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ

लड़ाई में 80,000 से अधिक नागरिकों और सैनिकों की जान और 150 अरब डॉलर से अधिक का आर्थिक नुकसान झेल चुका है।

विदेश मंत्री ने दोहराया कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन अगर भारत ने कोई आक्रामक कदम उठाया, तो पाकिस्तान मुंहतोड़ और निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की कार्रवाइयों के क्षेत्रीय प्रभावों को गंभीरता से लेने की अपील की। इसके अलावा, डार ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को एकतरफा रूप से निलंबित करने की भी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इस संधि को किसी भी पक्ष द्वारा अकेले खत्म नहीं किया जा सकता। डार ने इस हमले की निष्पक्ष जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की मांग दोहराई, जैसा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रस्तावित किया है।

भारत के एक और दुश्मन ने कहा- युद्ध हुआ तो पाकिस्तान का साथ देंगे



ओटावा, 01 मई (एजेंसियां)।

भारत का नमक खाकर, भारत की मिट्टी में पला बढ़ा गुरुपतवंत सिंह पन्नू अपनी जन्म भूमि के साथ गहरी में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पन्नू का कहना है कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ता है, तो इंडियन पंजाब पाकिस्तान का साथ देगा।

इससे पहले भी अलगाववादी ने पाकिस्तान के समर्थक की बात कही थी। साथ ही दावा किया था कि भारतीय सेना को हमला करने के लिए पंजाब पार नहीं करने दिया जाएगा।

इससे पहले एसएफजे यानी सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने पाकिस्तान का साथ देने की बात कही है। उसने कहा, यह न 1965 और न 1971 है... आज है 2025 है। मैं

पाकिस्तान की आवाज को भरोसा दिलाता हूँ कि हम पाकिस्तान के साथ ईंट की तरह खड़े हैं। कोई भारतीय सेना की इतनी हिम्मत नहीं होने देंगे कि वो पंजाब पार कर पाकिस्तान पर हमला करे। क्योंकि पाकिस्तान का नाम ही पाक है। पन्नू ने कहा, यहाँ पाकिस्तान को समझने की जरूरत है, सिख समझ चुके हैं। पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा पन्नू ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया, तो यह भारत और मोदी का का आखिरी युद्ध होगा। पंजाब भारतीय कब्जे से आजाद हो जाएगा। उसने ऐलान किया, भारतीय पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएंगे। हम भारतीय सेना को रोकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने यह भी कहा है कि भारतीय पंजाब के कैट इलाकों में दीवारों पर चॉक से संदेश लिखा जाना शुरू हो गया है। इन संदेशों के जरिए अपील की जा रही है कि सिख सैनिक पाकिस्तान के खिलाफ जंग न लड़ें। इससे पहले भी सिख फॉर जस्टिस ने एक वीडियो जारी किया था।

पाकिस्तान के पास परमाणु बम है हम पर कोई भी आसानी से हमला नहीं कर सकता: मरियम

इस्लामाबाद, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने भड़काऊ बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी हमारे देश पर हमला करने की हिम्मत नहीं कर सकता क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। मरियम नवाज ने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है, इसलिए कोई उस पर आसानी से हमला नहीं कर सकता। हमारी राजनीतिक विचारधारा चाहे कुछ भी हो, हमें बाहरी हमले के खिलाफ सेना के साथ खड़ा होना चाहिए। मरियम ने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने का श्रेय अपने पिता नवाज शरीफ को देते हुए कहा कि पाकिस्तान की ताकत उसके शहीदों की कुर्बानी से आती है और नवाज शरीफ



ने देश को परमाणु शक्ति बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

मरियम और नवाज शरीफ दोनों ने अभी तक जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा नहीं की है, जिसमें 28 लोगों की मौत हुई थी। भारत द्वारा

पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पीछा करने की कसम खाने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा है। पिछले चार दिनों में, पाकिस्तानी सेना ने एलओसी पर बिना उकसावे के गोलीबारी की है, जिसका भारतीय सेना ने जवाब भी दिया।



आईपीएल 2025 : प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई सीएसके, धोनी बोले-कैच छोड़ना पड़ा भारी

चेन्नई, 01 मई (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बुधवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ ही आईपीएल 2025 में वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। मैच के बाद कप्तान एमएस धोनी ने टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा कि 190 रनों का स्कोर थोड़ा कम था और कुछ जरूरी कैच छोड़ने से उन्हें नुकसान हुआ।

धोनी ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने पहली बार एक अच्छा स्कोर खड़ा किया, लेकिन मुझे लगता है हम थोड़ा पीछे रह गए। बैटिंग यूनिट का प्रयास अच्छा था, लेकिन हमे और रन बनाने चाहिए थे। ब्रेविस और सैम करन की साझेदारी शानदार रही, लेकिन कुछ जरूरी कैच नहीं पकड़ने से विपक्षी टीम

को गति मिल गई।

18 बॉल में बिस्वर गर्इ पारी, चहल की हैट्रिक से लगा झटका

सीएसके की पारी 19.2 ओवर में 190 रन पर सिमट गई। एक समय टीम 14 ओवर में 126/3 पर थी और 200+ स्कोर की ओर बढ़ रही थी। करन और ब्रेविस को 78 रन की साझेदारी ने रन रेट को बढ़ाया, लेकिन 18वें ओवर में करन (88 रन) के आउट होते ही टीम ने अंतिम 14 गेंदों में सिर्फ 18 रन बनाए। 19वें ओवर में युजवेंद्र चहल ने हैट्रिक सहित चार विकेट लिए और चेन्नई ने अंतिम छह विकेट 18 रन में गंवा दिए। सीएसके का सीजन रहा फीका, रन रेट सबसे खराब इस सीजन में चेन्नई का बल्लेबाजी प्रदर्शन लगातार खराब रहा है। टीम का रन रेट (8.23) अब तक का सबसे कम है।

जीआईपीकेएल कबड्डी लीग का मध्य समापन: मराठी वल्चर और तमिल लायनेस बने चैंपियन

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित पहले ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) का समापन मंगलवार को शानदार उत्साह और प्रतिस्पर्धा के बीच हुआ, जिसमें मराठी वल्चर ने पुरुष वर्ग में और तमिल लायनेस ने महिला वर्ग में जीत का परचम लहराया। महिला वर्ग के फाइनल में तमिल लायनेस ने तेलुगु चीता को 31-19 के बड़े अंतर से पराजित कर न केवल खिताब जीता, बल्कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए जीआईपीकेएल चैंपियनशिप ट्रॉफी भी अपने नाम की। तमिल लायनेस की डिफेंस ने 14 टैकल पॉइंट्स और 4 ऑल-आउट पॉइंट्स के साथ विपक्षी टीम को लगातार दबाव में रखा। वहीं, तेलुगु चीता ने 3 सुपर टैकल किए, लेकिन वापसी नहीं कर पाई। पुरुष वर्ग के फाइनल में मराठी वल्चर और तमिल लायनेस के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें मराठी वल्चर ने 40-30 से जीत दर्ज की। कप्तान सुनील नरवाल ने 17 टैकल पॉइंट्स और 4 ऑल-आउट के साथ टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई, जबकि तमिल लायनेस की टीम 21 रेड पॉइंट्स लेने के बावजूद पीछे रह गई। 13 दिन चले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत सहित कई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिससे कबड्डी के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को बल मिला। इस आयोजन ने प्रवासी भारतीयों और भारतीय खेल संस्कृति के बीच एक नया सेतु बनाने का कार्य किया।

न्यूज़ ब्रीफ

लेडी श्रीराम कॉलेज और किरोड़ी मल कॉलेज बने पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल चैंपियन



नई दिल्ली। लेडी श्रीराम कॉलेज और किरोड़ी मल कॉलेज चौथी पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल प्रतियोगिता में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में चैंपियन बने हैं। महिला वर्ग के फाइनल में लेडी श्रीराम कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 49-31 से हराकर यह प्रतियोगिता जीती और मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की विप्रासना को मिला। पुरुष वर्ग के फाइनल मैच में किरोड़ी मल कॉलेज ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को 83-75 से हराकर यह प्रतियोगिता जीती। कॉलेज के दक्ष चौधरी को मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला। प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि हॉकी इंडिया की डायरेक्टर रणजीत गिल थीं। उनके साथ गेस्ट ऑफ ऑनर इंडियन हॉकी प्लेयर हरजीत सिंह, पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के जवाइंट सेक्रेटरी गीतम वंदेरा और मेजबान खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिनंदर सिंह थे। उनके साथ खालसा कॉलेज की डायरेक्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स डॉ इंदरप्रीत कौर नंदा ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किये। दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी (महिला एवं पुरुष) और बास्केटबॉल (महिला एवं पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

मुंबई इंडियंस ने चोटिल विग्नेश पुथुर की जगह रघु शर्मा को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के बीच मुंबई इंडियंस की टीम में एक बदलाव हुआ है। फ्रेंचाइजी ने 32 साल के स्पिन गेंदबाज रघु शर्मा को अपने साथ जोड़ा है। उन्होंने युवा गेंदबाज विग्नेश पुथुर की जगह स्काड में शामिल किया गया है, जो चोटिल होने के चलते शेष सीजन से बाहर हो गए हैं। आईपीएल ने गुरुवार

को जारी बयान में बताया कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने लेग स्पिनर रघु शर्मा को विग्नेश पुथुर के स्थान पर अनुबद्धित किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। रघु मुंबई इंडियंस के साथ बेस प्राइस 30 लाख रुपये में जुड़े हैं। 11 मार्च 1993 को जालंधर (पंजाब) में जन्मे रघु शर्मा दाएं हाथ के लेग-ब्रेक गेंदबाज हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पंजाब और पुडुचेरी का प्रतिनिधित्व किया है। 11 प्रथम श्रेणी मैचों में शर्मा ने 19.59 की औसत से 57 विकेट लिए हैं, जिसमें 7/56 का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में, उन्होंने 9 मैचों में 14 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/37 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने 3 टी20 मैचों में भी हिस्सा लिया है, जिसमें 3 विकेट लिए हैं। विग्नेश ने गेंदबाजी से किया प्रभावित-विग्नेश ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल डेब्यू चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ किया था। उन्होंने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया। विग्नेश ने मौजूदा सीजन में 5 मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल 6 विकेट चटकाए। मुंबई की मजबूत वापसी-पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने इस सीजन शुरूआती पांच मैचों में केवल एक जीत दर्ज की थी, लेकिन इसके बाद टीम ने मजबूत वापसी की। मुंबई ने बाद के लगातार पांच मैचों में जीत दर्ज की। इस तरह टीम 10 मैचों में 6 में जीत और चार हार के बाद अंक तालिका में नंबर 3 पर है।

धीमी ओवर गति के कारण पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। चेपोंक में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर चार विकेट से मिली रोमांचक जीत के बाद पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर धीमी ओवर गति के चलते 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल 2025 में यह पीबीकेएस की पहली ओवर-रेट संबंधी गलती है। धीमी ओवर गति के कारण पंजाब को 19वें ओवर से पहले एक अतिरिक्त फील्डर सर्कल के अंदर लाना पड़ा, लेकिन इसका असर युजवेंद्र चहल के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा। चहल ने जादुई गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में चार विकेट चटकाए, जिसमें उनकी दूसरी आईपीएल हैट्रिक भी शामिल रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने सैम करन के 47 गेंदों में 88 रन की बदौलत 18 ओवर में 177/5 रन बना लिए थे और स्कोर 200 पार जाता दिख रहा था।

मुंबई का विजयी अभियान जारी, राजस्थान को 100 रन से हराया

कर्ण-बोल्ट को तीन विकेट मिले



जयपुर, 01 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2025 सत्र अब अपने रोमांच की पराकाष्ठा पर है। लीग में लगातार दूसरे दिन एक और टीम की प्लेऑफ की टीम दौड़ से विदाई हो गई है। चेन्नई सुपर किंग्स को उसके ही मैदान चेपोंक पर पंजाब किंग्स ने शर्मनाक हार दी थी तो अब मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को उसके ही मैदान पर 100 रनों की शर्मनाक हार देते हुए प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। मुंबई इंडियंस ने रियान रिकल्टन, रोहित शर्मा, सूर्या और हार्दिक पंड्या की तूफानी बैटिंग के दम पर 218 रनों का लक्ष्य दिया, जिसके आगे राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज बुरी तरह फेल रहे। पिछले मैच के शतकवीर वैभव सूर्यवंशी खाता

खोले बिना आउट हुए तो विकेटों की झड़ी लग गई। इस तरह 2012 के बाद पहली बार मुंबई ने सवाई मान सिंह स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स को हराया। इस तरह से राहुल द्रविड़ की टीम प्लेऑफ से बाहर हो गई है। उसके 11 मैचों में सिर्फ 3 जीत है, जबकि 8 हार। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस अब पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। उसके आरसीबी के बराबर 14 पॉइंट हैं, लेकिन नेट रन रेट में हार्दिक पंड्या की टीम विराट कोहली की टीम से आगे है। गुजरात के खिलाफ 210 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा किया था, जबकि यहां भी राजस्थान को ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मुंबई के कातिल गेंदबाजों ने मैदान पर उतरते ही कल्लेआम मचा

दिया। पिछले मैच के शतकवीर वैभव सूर्यवंशी को दीपक चाहर ने बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल को 13 रनों पर ट्रेंट बोल्ट ने बोल्ट किया। नीतीश राणा भी ट्रेंट बोल्ट के शिकार बने, जबकि सिर्फ 9 रन बना सके। देखते ही देखते बल्लेबाज आते गए और लौटते गए। 91 रनों के टीम स्कोर पर राजस्थान ने 9 विकेट गंवा दिए थे, जिसमें एक बार बुमराह हैट्रिक पर भी आए। उन्होंने रियान पराग को 16 और शिमरन हेतमायर को बिना खाता खोले आउट किया। आखिरी में जोफ्रा आर्चर ने कुछ शांत्स जरूर लगाए, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं था। सिर्फ हार का अंत कम हुआ। मुंबई के लिए सबसे अधिक कर्ण शर्मा और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 विकेट झटके,

अडानी स्पोर्ट्सलाइन ने जीएसटीए टेनिस टूर्नामेंट का किया ऐलान



अडानी ग्रुप की स्पोर्ट्स इकाई अडानी स्पोर्ट्सलाइन ने गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन (जीएसटीए) के साथ मिलकर जीएसटीए टेनिस टूर्नामेंट 2025 की घोषणा की है। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 24 से 27 मई तक अहमदाबाद के पालडी स्थित साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क में आयोजित की जाएगी। 24 से 27 मई तक साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क में होगा आयोजन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण (एक मई) से शुरू होकर 22 मई तक होगा। इस टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। इसका उद्देश्य गुजरात के उभरते और अनुभवी टेनिस खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करना है। हर आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए मौके टूर्नामेंट में जूनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ वरिष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए भी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

ओलंपिक स्टेडियम में रोमांचक मिड्रॉ, यामाल ने रचा इतिहास समर का आत्मघाती गोल बना बराबरी का कारण

बार्सिलोना, 01 मई (एजेंसियां)।

चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले चरण में बुधवार को बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेले गए मुकाबले में फैंस को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। इंटर मिलान जहां दो बार बढ़त लेने में कामयाब रही, वहीं बार्सिलोना ने दोनों बार शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 3-3 की बराबरी पर खत्म किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में युवा लमिन यामाल ने एक ऐतिहासिक गोल दागा और दो बार गेंद को बार पर भी मारा। 30वें सेकंड में थुराम का रिकॉर्ड गोल, डम्फ्रीज ने दागा दूसरा मैच की शुरुआत ही



धमाकेदार रही। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने मुकाबले की शुरुआत के महज 30वें सेकंड में शानदार बैकहील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल कर डाला। इसके बाद डेंजल डम्फ्रीज ने कॉर्नर से मिले मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और इंटर को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

यामाल की मैजिकल वापसी, सबसे युवा सेमीफाइनल स्कोरर बने

हालांकि बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में शानदार एकल प्रयास से गोल दागा और टीम को वापसी की राह दिखाई। यह गोल उन्हें चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना गया। यामाल ने थुराम को पीछे छोड़ा, मखितारियन को छकाया और फिर बाएं पोस्ट से गेंद को गोल में डाला।

टोरेस ने किया स्कोर 2-2, इंटर ने फिर ली बढ़त

पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफ़्तक ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फ्रान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लॉस रेंज से गोल किया। स्कोर 2-2 हो गया। हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने एक बार फिर हेडर से गेंद डाली, जो ओल्मो से लाकर गोल में चली गई और इंटर को तीसरी बार बढ़त मिली।

सोमर का आत्मघाती गोल, बार्सिलोना ने फिर की बराबरी

इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। यामाल के कॉर्नर को रफ़्तक ने बॉक्स के किनारे से ताकतवर शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर गोलकीपर सोमर के फिर पर टकराया और गोल में चला गया। यह आत्मघाती गोल स्कोर 3-3 कर गया।

आईपीएल 2025 : मैक्सवेल की उंगली में फ्रैंचर, सीजन लगभग समाप्त

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में पंजाब किंग्स के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का सीजन लगभग खत्म हो गया है। कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ टॉस के दौरान पुष्टि की कि मैक्सवेल की उंगली में फ्रैंचर हुआ है। उन्होंने कहा कि फिलहाल टीम ने उनके रिप्लेसमेंट को लेकर कोई फैसला नहीं किया है।

श्रेयस ने कहा, यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैक्सवेल की उंगली फ्रैंचर हो गई है। ईमानदारी से कहूं तो हमने अभी तक रिप्लेसमेंट पर कोई फैसला नहीं लिया है। लेकिन हमारी टीम का माइंडसेट मजबूत है और हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो बाहर से आकर मैच जिताने की काबिलियत रखते हैं।

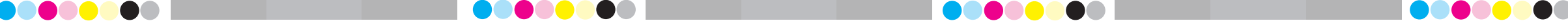
स्टोइनिस ने किया बड़ा खुलासा, बोले- सीजन खत्म मानिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर और मैक्सवेल के



साथी खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस ने भी पुष्टि की कि मैक्सवेल की चोट गंभीर है। उन्होंने बताया कि यह चोट पिछले मुकाबले से पहले प्रैक्टिस के दौरान लगी थी, लेकिन तब मैक्सवेल ने इसे हल्का समझा। स्टोइनिस ने कहा, उसे लगा था कि चोट हल्की है लेकिन स्कैन के बाद हालात खराब निकले। ऐसे में लगता है कि उनका सीजन यहीं खत्म हो गया है। गौरतलब है कि इस सीजन मैक्सवेल का प्रदर्शन

निराशाजनक रहा है। उन्होंने सात मुकाबलों में केवल 48 रन बनाए हैं। जबकि 11 सीजन पहले इसी फ्रेंचाइजी के लिए उन्होंने 552 रन ठोककर तहलका मचाया था। वहीं, आरसीबी के लिए 2021 और 2023 में भी उन्होंने धमाकेदार प्रदर्शन किया था। पॉटिंग ने कहा- भारतीय विकल्पों पर भी नजर, जल्द होगा फैसला पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पॉटिंग ने मैच के बाद बताया कि टीम रिप्लेसमेंट की तलाश

में है, लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की वजह से विदेशी विकल्प ढूंढना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा, हम भारतीय खिलाड़ियों को भी देख रहे हैं। कुछ युवा खिलाड़ी हमारे साथ टूर्नामेंट कर चुके हैं और उन्हें धर्मशाला ले जाएंगे। हो सकता है उनमें से किसी को मौका मिल जाए। पॉटिंग ने यह भी स्पष्ट किया कि टीम 12वें मुकाबले से पहले रिप्लेसमेंट पर अंतिम फैसला ले लेगी। उन्होंने कहा कि जब तक धर्मशाला नहीं पहुंचते, तब तक कुछ खिलाड़ी जैसे हाडी और बार्टलेट कंडीशन के हिसाब से मौका पा सकते हैं। फिलहाल स्काड में हैं 6 विदेशी खिलाड़ी पंजाब किंग्स के पास इस समय केवल 6 विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध हैं और उन्होंने चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में केवल 3 विदेशी खिलाड़ियों को खिलाया। मैक्सवेल की जगह युवा भारतीय खिलाड़ी सुदीप शेंडगे को प्लेइंग इलेवन में मौका मिला।



टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश, कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को, 01 मई (एजेंसियां)।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश

शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एंजिक्चूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। ट्रंप प्रशासन के साथ मस्क की भागीदारी के कारण ऐसा संभव है।

रिपोर्टों के मुताबिक ईवी कंपनी की बिक्री और मुनाफे में गिरावट देखी गई है, जबकि अमेरिका की सरकारी एजेंसी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी में मस्क की भूमिका को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला बोर्ड के सदस्य ने मस्क से मुलाकात की और उनसे कंपनी को अधिक समय देने के लिए आग्रह भी किया। मस्क ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह ट्रंप प्रशासन को दिए जाने वाले समय में कटौती

करेंगे और अपनी कई कंपनियों को चलाने पर ध्यान देंगे। संघीय रोजगार को कम करने के लिए बनाई गई संस्था सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में उनकी भूमिका ने निवेशकों की आलोचना की है। बता दें सरकारी दक्षता विभाग दूसरे ट्रम्प प्रशासन द्वारा संघीय खर्च में कटौती करने की पहल है। यह डोनाल्ड ट्रम्प और एलन मस्क के बीच चर्चा से उभरा, और 20 जनवरी, 2025 को एक कार्यकारी आदेश द्वारा स्थापित किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में गिरावट, इकॉनॉमी में गिरावट से मंदी की आहट



नई दिल्ली। अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट आने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह तीन सालों में पहली बार है जब अमेरिका की आर्थिक स्थिति में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को इसकी प्रमुख वजह मानी जा रही है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के थ्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के अनुसार पिछली तिमाही में जीडीपी में 0.3 फीसदी की सालाना गिरावट आई थी। मार्च में माल के व्यापार घाटे के चलते भारी आयात होने से अर्थशास्त्रियों ने अपने जीडीपी के अनुमान घटा दिए हैं। अमेरिकी आयात में पहली तिमाही में तेजी आई है, जो ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए अमेरिकी कंपनियों ने की गई। चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ी थी, लेकिन पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट से बाजार में सतर्कता बढ़ी है। ट्रंप के फिसलने वाले अर्थनीतिक कदमों और चीन के साथ चरमपंथी ट्रेड वॉर के मद्देनजर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई बढ़ने और मंदी आने की आशंका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस टीक करने का प्रयास किया है, लेकिन भावुकता बाजार की स्थिति में गहराई बढ़ गई है।

बॉलीवुड स्टार्स और क्रिकेटर्स ने प्री आईपीओ में किया निवेश



मुंबई। करमतारा इंजीनियरिंग, रिन्यूबल एनर्जी और ट्रांसमिशन सेक्टर के प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी ने प्री-आईपीओ राउंड में धमाकेदार निवेश किया है। इस इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा जारी किए गए समाचार के मुताबिक, बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने 5 करोड़ रुपये का निवेश करके 1,61,300 शेयर खरीदे हैं। आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जोहर ने भी निवेश करने का फैसला लिया। आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जोहर भी इस आईपीओ में शामिल होकर निवेश करने का फैसला लिया है। साथ ही कंपनी के प्रमोटेड तनवीर सिंह और राजीव सिंह ने 310 रुपये प्रति शेयर के दाम पर 34,09,724 इक्विटी शेयर ट्रांसफर किए हैं। इस मामूली लिथिक कपूर से कंपनी को 106 करोड़ रुपये की वैल्यू मिली है। करमतारा इंजीनियरिंग ने जनवरी में बाजार निगमक सेबी के पास प्रीलिमनेरी पर्स जमा करके आईपीओ के जरिए 1750 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मांगी है। इस आईपीओ में 1350 करोड़ रुपये के शेयरों का प्रेशा इश्यू और 400 करोड़ रुपये के ऑफर फॉर सेल होगा। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 102.65 करोड़ रुपये का बाद टेक्स मुनाफा हुआ था। आईपीओ के ड्राएफ्ट पेपर्स में कंपनी ने बताया है कि वह विंड एनर्जी सेक्टर में उतर रही है और एक मूल्यकन प्लॉट लगा रही है।

एटीएम से पैसे निकालना हुआ महंगा एक महीने में सीमित ट्रॉजैक्शन फ्री

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1 मई से लागू होने वाले नए एटीएम दिशा-निर्देशों



की घोषणा की है, जिनके तहत एटीएम से पैसे निकालना अब पहले से महंगा हो गया है। नए नियमों के अनुसार, ग्राहकों को हर महीने केवल कुछ छोटी ट्रॉजैक्शन की सुविधा मिलेगी, जिससे अतिरिक्त शुल्क से बचने के लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नए दिशा-निर्देशों के पालन में कई बड़े बैंकों ने अपने नियमों में बदलाव किए हैं, जिससे ग्राहकों को ध्यान देना होगा। यदि कोई ग्राहक तय सीमा से अधिक बार एटीएम का उपयोग करता है, तो उसे हर अतिरिक्त ट्रॉजैक्शन पर 23 देने होंगे। पहले यह शुल्क 21 था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है।

पाकिस्तान की...

वाले विदेश नीति निर्णयों से जुड़ी एक गलती बताया। अफगानिस्तान में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अफगान तालिबान और हकानी नेटवर्क को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करती रही है। इन समूहों ने अफगान नागरिकों, सरकारी संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय बलों पर कई घातक हमले किए हैं। इनमें 2008 में काबुल स्थित भारतीय दूतावास पर हमला और 2011 में अमेरिकी दूतावास पर हमला शामिल हैं। वरिष्ठ पत्रकार कार्लोटा गॉल ने अपनी किताब में लिखा कि दूतावास पर बमबारी आईएसआई एजेंट की कार्यवाई नहीं थी, बल्कि यह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनुमोदित और नियंत्रित की गई कार्यवाई थी।

रूस की राजधानी मास्को में 2024 में हुए कन्सर्ट हॉल हमले की जांच में भी पाकिस्तान का संबंध सामने आया है। रूसी अधिकारियों ने मास्टरमाइंड की पहचान ताजिक नागरिक के रूप में की और उसके पाकिस्तानी नेटवर्क से संभावित जुड़ाव की जांच कर रहे हैं। शुरुआती जांच के अनुसार, हमलावरों को रसद या वैचारिक समर्थन पाकिस्तान से मिलने की बात कही जा रही है। पाकिस्तान स्थित सुन्नी आतंकी संगठन जैश-उल-अदल ने कई बार ईरानी सुरक्षाबलों पर हमला किया है। 16 जनवरी 2024 को ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ड्रोन और मिसाइल हमले किए। उसका निशाना जैश-उल-अदल के ठिकाने थे। ईरान अक्सर पाकिस्तान पर आरोप लगाता रहा है कि वह इन सुन्नी आतंकियों को शरण देता है और उनके खिलाफ कार्यवाई नहीं करता।

7 जुलाई 2005 को लंदन में हुए बम धमाकों को चार ब्रिटिश इस्लामी आतंकियों ने अंजाम दिया था। इनका प्रशिक्षण और ब्रेनवॉश पाकिस्तान में हुआ था। तीन हमलावर मोहम्मद सिद्दीक खान, शहजाद तनवीर और जमैने लंडसे ने 2003 से 2005 के बीच पाकिस्तान में समय गुजारा था। 2011 में अमेरिका ने अल कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया था। बिन लादेन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी के पास वर्षों तक बिना किसी की नजर में आए रहा। इससे आईएसआई की संलिप्तता पर सवाल उठे।

पाकिस्तान की आईएसआई पर आरोप लगता रहा है कि उसने प्रतिबंधित इस्लामी समूह जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को धन और प्रशिक्षण दिया। यह गुट 2016 के ढाका के गुलशन कैफे हमले के लिए जिम्मेदार था। इस हमले में 20 बंधक मारे गए थे। 2015 में बांग्लादेश ने पाकिस्तानी राजनयिकों को जेएमबी के लिए धन स्थानांतरित करते हुए रंगे हाथ पकड़ा था और बाद में इन्हें निष्कासित कर दिया गया था। 2020 की खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, आईएसआई ने बांग्लादेश के कॉक्स बाजार शिविरों में 40 रोहिंग्या शरणार्थियों को जेएमबी के जरिए प्रशिक्षण दिलाया ताकि उनकी भारत में घुसपैठ कराई जा सके।

पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, वजीरिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी प्रशिक्षण शिविर फैले हुए हैं। ये शिविर लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और आईएसआईएस-खोरासान जैसे समूहों द्वारा संचालित होते हैं। ये शिविर कट्टरपंथी बनाने, हथियारों का प्रशिक्षण देने और आत्मघाती हमलों की तैयारी के लिए जाने जाते हैं। कई बार पूर्व पाकिस्तानी सैनिक व अधिकारी भी इन प्रशिक्षणों में मदद करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की आतंकवाद पर देश रिपोर्ट 2019 ने पाकिस्तान को एक ऐसे देश के रूप में पहचाना है, जो कुछ क्षेत्रीय रूप से केंद्रित आतंकवादी समूहों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह के रूप में काम करता रहा है। पाकिस्तान सेना और आतंकवाद : एक अपवित्र गठबंधन नामक एक रिपोर्ट में, यूरोपीय फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज ने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान, इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और कट्टरपंथी धार्मिक नेताओं के बीच गहरे संबंध को उजागर किया है।

संवेदनशीलता और...

विशेष प्रयासों की जरूरत है। यहीं पर रचनात्मक दुनिया (क्रिएटिव वर्ल्ड) महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारा लक्ष्य इसानों को रोबोट में बदलना नहीं होना चाहिए, बल्कि हम सभी के बीच अधिक संवेदनशीलता और मानवता को बढ़ावा देना चाहिए। इसान की समृद्धि इन्फोर्मेशन के पहाड़ से नहीं आएगी, ये टेक्न-लॉज्जी की स्पीड और रीच से भी नहीं आएगी। इसके लिए हमें गीत, संगीत, कला, नृत्य को महत्व देना होगा। हजारों सालों से ये मानवीय संवेदना को जागृत रहे हुए हैं। हमें इसे और मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि यह भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। विषयवस्तु, रचनाशीलता और संस्कृति

(कंटेेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर) ये ऑरेंज इकॉनमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में हो रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय सामग्री को उपशीर्षक के साथ देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से फिल्म निर्माण, डिजिटल सामग्री, गेमिंग, फैशन और संगीत के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। लाइव मनोरंजन उद्योग, विशेष रूप से लाइव कन्सर्ट भी देश में विकास की अपार संभावनाएं रखता है। वर्तमान में वैश्विक एनीमेशन बाजार का मूल्य 430 बिलियन डॉलर से अधिक है और अगले दशक में इसके दोगुना होने का अनुमान है। यह भारत के एनीमेशन और ग्राफिक डिज़ाइन उद्योग के लिए वैश्विक स्तर पर खुद को स्थापित करने और विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर देता है।उन्होंने युवाओं से कहा कि आज हमारी युवा पीढ़ी को कुछ मानवता विरोधी विचारों से बचाने की जरूरत है। वेब्स एक ऐसा मंच है जो ये काम कर सकता है। यदि हम इस जिम्मेदारी से पीछे हट गए तो युवा पीढ़ी के लिए बहुत घातक होगा। आज टेक्नोलॉजी ने क्रिएटिव वर्ल्ड के लिए खुला आसमान बना दिया है। इसलिए अब ग्लोबल कार्डिनेशन भी उतना ही जरूरी है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ये प्लेटफार्म हमारे क्रिएटर्स को ग्लोबल स्टोरी टेलीस्टोरर से कनेक्ट करेगा। हमारे एनिमेटर्स को ग्लोबल विजनरी से जोड़ेगा।

नौसेना ने...

इससे इंधन की खपत काफी बढ़ेगी जिसका असर विमान के किराए पर भी दिखेगा। यात्री पाकिस्तानी विमान से यात्रा करने से कतरा सकते हैं जिससे एयरलाइंस को राजस्व का नुकसान हो सकता है। पाकिस्तान ने पहले ही अपना हवाई क्षेत्र भारतीय विमानों के लिए बंद कर दिया था। भारत ने पाकिस्तानी एक्शन का जवाब दिया है। अब दोनों देशों के विमान एक-दूसरे के एयरस्पेस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। भारत का एयरस्पेस पाकिस्तान से कहीं बड़ा है, ऐसे में पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भारत के ताबड़तोड़ एक्शन और सैन्य तैयारी को देखते हुए पाकिस्तान घबरा गया है। उसने अपनी खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद असीम मलिक को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार यानी एनएसए भी बना दिया है। घबराहट में पाकिस्तान ने आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के चीफ हाफिज सईद की सुरक्षा बढ़ा दी है। उसे स्पेशल सर्विस ग्रुप के पूर्व कमांडरों की सुरक्षा में रखा गया है। लाहौर के घनी आबादी वाले इलाके में सईद का ठिकाना है जो मदरसे और मस्जिद से सटा हुआ है ताकि उसे मारने से पहले भारत को पाकिस्तानी नागरिकों की सुरक्षा की चिंता रहे।

बेहद गंभीर वक्त...

देश का हर एक नागरिक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक साथ खड़ा है। कोई ऐसी मांग मत कीजिए, जिससे सेना के मनोबल पर असर पड़ता हो। याचिका में पहलगाम हमले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई थी। याचिका फतेश कुमार शाह, जम्मू कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद और विकी कुमार ने दाखिल की थी। याचिका में हमले की जांच के अलावा केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि जज आतंकी मामलों की जांच के विशेषज्ञ नहीं होते हैं। इस महत्वपूर्ण समय में देश के हर नागरिक ने आतंकवाद से लड़ने के लिए हाथ मिलाया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या ये सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं। कोर्ट ने उनसे ऐसे मुद्दों को न्यायिक क्षेत्र में नहीं लाने को कहा। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पहलगाम हमले की जांच की निगरानी के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता फतेह कुमार साहू और अन्य को जर्नलित याचिका वापस लेने के लिए कहा। शीर्ष कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे इस मुद्दे की संवेद-नशीलता को समझें और अदालत में ऐसी कोई अपील न करें, जिससे सुरक्षा बलों का मनोबल गिरे।

नक्सलियों के...

ऑपरेशन और अन्य जरूरी सामान भेजे गए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ऐलान कर चुके हैं कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खान्सा हो जाएगा। इस लिहाज से ऑपरेशन कर्गुगुडा अहम है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि नक्सलियों से कोई बात नहीं होगी। सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि नक्सलियों के शीर्ष नेता हिडमा, बरसा देवी और दामोदर के पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी

की बटालियन नंबर एक, तेलंगाना स्टेट कमेटी और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के शीर्ष नेताओं समेत 500 से ज्यादा नक्सलियों के कर्गुगुडा पहाड़ी पर होने की खुफिया सूचना मिली थी। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में तेजी आई है। जनवरी 2024 के बाद से 350 नक्सली विभिन्न मुठभेड़ में मारे गए हैं और इनमें से अधिकतर मुठभेड़ बस्तर क्षेत्र में हुई। 29 मार्च को हुए एक एनकाउंटर में 18 नक्सली मारे गए थे। इस साल ही 144 नक्सलियों को निशाना बनाया गया है। इस साल अभी तक 300 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद और सरकार की नीति के तहत पुनर्वास किया गया है। साल 2024 में सात जिलों से मिलकर बने बस्तर क्षेत्र में 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई आर-पार के मोड़ पर पहुंच रही है। नक्सली एक-एक कर अपने ठिकाने हार रहे हैं। सुरक्षाबल उनका सफाया करके उनके ठिकानों पर तिरंगा फहरा रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ 22 अप्रैल, 2025 से चालू हुए सबसे बड़े ऑपरेशन में निर्णायक सफलता मिल रही है। ऑपरेशन का केंद्रबिंदु कर्गुगुडा पहाड़ी है, उससे नक्सली भाग रहे हैं। इस पर सुरक्षाबलों ने तिरंगा फहरा दिया है। इस पहाड़ी को भी छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ, पुलिस और डीआरजी और विशेष कमांडो ने घेर रखा है। सुरक्षाबलों के इस ऑपरेशन के चलते लाल आतंकी घबराए हुए हैं, वह सरकार से अब बात करना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने इससे इनकार कर दिया है।छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र की सीमा जहां मिलती है, वहां पर यह कर्गुगुडा पहाड़ी है। यह 5 हजार फीट की ऊंचाई पर है। पहाड़ी और उसके आसपास घना जंगल है। यहां तक कि आसपास कोई आबादी नहीं है। यहां 22 अप्रैल, 2025 को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन चालू किया था। सुरक्षाबलों को सूचना थी कि यहां हिडमा जैसे कई बड़े नक्सली कमांडर ठहरे हुए हैं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इस पहाड़ी को घेरना चालू किया। इस पहाड़ी पर पुलिस न पहुंचे, इसके लिए माअ-ोवादी आईईडी भी लगा रखी थी। सुरक्षाबलों के पहुंचने के बाद उनकी नक्सलियों से मुठभेड़ शुरू हुई। इसमें तीन महिला नक्सली मार गिराई गई। इन पर 8 लाख का इनाम था। इनके अलावा 8 और नक्सली मारे गए। लेकिन उनके शव बरामद नहीं हुए।

सुरक्षाबलों की मजबूती देख कर नक्सली घबरा गए हैं। 200 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा वाले इस इलाके में वह भागने का प्रयास कर रहे हैं। उनके भागने की दिशा तेलंगाना की तरफ है। तेलंगाना की तरफ से उतनी सख्ती न होने के चलते यह नक्सली भागने की फिराक में हैं। नक्सली अब सरकार से सीजफायर करने को कह रहे हैं। सीपीआई माओवादी ने सरकार से अपील की है कि वह उनके सफाए के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन कगार को बंद कर दे। इस सीजफायर को तेलंगाना के नेता भी समर्थन दे रहे हैं। बीअ-एरएस प्रमुख केसीआर भी यही अपील कर चुके हैं। तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी इस पर विचार करने की बात कर चुके हैं। लेकिन वर्षों से नक्सलवाद का दंश झेल रहे छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार इस मूड में नहीं है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने सीजफायर करने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने कहा, शांति समझौता करने के लिए कुछ लोग इकट्ठा हो रहे हैं। ये लोग लोग हैं? ये तब कहां थे जब दम्भाडोरा में 27 नागरिकों को नक्सलियों ने मार दिया था? जब बस्तर के आदिवासियों की हत्या हुई थी तब ये लोग कहां थे। अभी यह कैसे उभर कर आ रहे हैं झीरम घाटी में जब इतने लोग मार दिए गए तब यह सब कहां थे? इनसे क्यों बात की जाए? जिन नक्सलियों को बात करनी है वह मुख्यधारा में आए, वरना कोई बात नहीं होगी।

गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों का सम्पूर्ण सफाया करने के लिए 31 मार्च 2026 का समय दिया है। इसे लिए लगातार ऑपरेशन हो रहे हैं। 2024 में सुरक्षाबलों ने 290 नक्सली मारे थे। वहीं 2025 में यह संख्या लगभग 130 पहुंच चुकी है। सैकड़ों की संख्या में नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ लगातार बड़ी सफलताएं हाथ लगी हैं। अब तक कई ऐसे ऑपरेशन छत्तीसगढ़ में हो चुके हैं, जिनमें एक दर्जन से ज्यादा नक्सली एक साथ मार गिराए गए हों। एक रिपोर्ट बताती है कि अब तक 2025 के भीतर छत्तीसगढ़ में 120 से अधिक नक्सली मार गिराए गए हैं। 2025 के पहले दिन से ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों पर शिकंजा कसना

चालू कर दिया था। 2 जनवरी, 2025 को बीजापुर में हुई मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए थे। उसके बाद यह सिलसिला चलता ही रहा। 16 जनवरी को हुई एक मुठभेड़ में 18 नक्सली मार गिराए गए थे।

21 जनवरी, 2025 को गरियाबंद पहाड़ी पर हुई एक मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए थे। इनमें नक्सलियों का टॉप कमांडर चलापति भी था। चलापति 1 करोड़ का इनामी नक्सली था। उसके साथ ही एक-दो और भी बड़े कमांडर मारे गए थे। इस वर्ष की सबसे बड़ी मुठभेड़ 9 फरवरी को हुई थी। नेशनल पार्क क्षेत्र में हुए ऑपरेशन के दौरान यहां 31 नक्सली मार गिराए गए थे। यह ऑपरेशन महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबलों ने मिलकर किया था। यह हमला नक्सलियों की एक मीटिंग पर हुआ था। इसी तरह के बड़े ऑपरेशन के चलते नक्सलियों की अब कमर टूट गई है। सुरक्षाबल अब उन इलाकों में घुस रहे हैं, जहां पहले नक्सली एकत्र जमा कर रहे थे। उन्हें ग्रामीणों से मिलने वाला समर्थन भी अब कम हो चुका है। दुर्गम इलाकों में चौकियां बनाने के चलते सुरक्षाबल उनकी हर एक मूवमेंट पर नजर रख रहे हैं।

वोटिंग प्रक्रिया ...

अब हर बीएलओ को एक मानक फोटो पहचान पत्र दिया जाएगा ताकि जब वे घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलें तो लोग उन्हें आसानी से पहचान सकें। साथ ही भरोसे से बात कर सकें। हालांकि मामले में चुनाव आयोग का कहना है कि ये सभी कदम विश्वास, पारदर्शिता और सहूलियत बढ़ाने की दिशा में एक मजबूत प्रयास हैं।

विस्तार से देखें तो चुनाव आयोग ने तीन नई पहल शुरू की है। इसके तहत मृत्यु पंजीकरण डेटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त कर मतदाता सूची में सुधार किया जाएगा। दूसरी बृथ स्तर के अधिकारियों (बीए-लओ) को मानक फोटो पहचान पत्र किए जाएंगे। साथ ही मतदाता सूचना पत्रियों को अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया जाएगा, ताकि मतदाताओं को अधिक जानकारी और सुविधा मिल सके।

चुनाव आयोग का कहना है कि उसकी ये तीन नई पहल भारत में लोकतंत्र को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देने और निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने में सहायक होंगी। इन उपायों को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने इस वर्ष मार्च में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान सुनाए थे।पहली पहल के तहत चुनाव आयोग इलेक्ट्रॉनिक तरीके से अब रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया से मौत के पंजीकरण का डेटा प्राप्त करेगा। इससे निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारियों (ईआरओ) को पंजीकृत मौतों की समय पर जानकारी मिलेगी और मतदाता सूची को अपडेट किया जाएगा। बृथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को फील्ड विजिट के जरिए इस जानकारी की पुनः जांच करने में भी मदद होगी। दूसरी पहल में मतदाता सूचना स्लिप (वीआईएस) के डिजाइन में सुधार किया जाएगा। नए डिजाइन में मतदाता का क्रमांक और भाग संख्या अधिक स्पष्टता के साथ प्रदर्शित होगी, जिससे मतदाताओं के लिए अपने मतदान केंद्र की पहचान करना और मतदान अधिकारियों के लिए निर्वाचन रजिस्टर में नाम खोजना आसान होगा। तीसरी पहल में सभी बीएलओ को मानक फोटो पहचान पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया है। यह सुनिश्चित करेगा कि नागरिक बीएलओ को पहचान सके और उनके साथ आत्मविश्वास से बातचीत कर सकें। चुनाव आयोग का कहना है कि बीएलओ मतदाता सत्यापन और पंजीकरण अभियानों के दौरान पहली इंटरफेस होते हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वे जनता के लिए आसानी से पहचाने जा सकें।

एनआईए के ...

इससे पहले, बुधवार को एनआईए की टीम ने करीब सात घंटे तक बायसरन घाटी में जांच की। टीम के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस की बोम डिस्पोजल स्कायड (बीडीएस) और फॉरेंसिक की टीम भी थीं। एनआईए की टीम वहां सबूत इकट्ठा करने और तथ्य खगलाने के लिए घटनास्थल गई थी। घटनास्थल से इकट्ठा किए गए सैंपल्स और पूछताछ के दौरान घोड़े वालों और बायसरन में काम करने वाले अन्य लोगों के बयान की भी पड़ताल की जा रही है। बायसरन घाटी के आसपास तीन किलोमीटर के दायरे को खगला जा रहा ताकि हमलावर आतंकियों के आने जाने के रूट के बारे में सुराग हाथ लग सके।पहलगाम थाने में एनआईए की टीम 100 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। इनमें ज़िपलाइन ऑपरेटर मुजम्मिल भी शामिल है जिसपर आरोप है कि आतंकियों के फायरिंग की आवाज सुनने पर उसने तीन बार अल्लाह हू अकबर कहा और पर्यटक को गोलीबारी वाली जगह पर धक्का देकर भेज दिया था।

फिल्म द भूतनी में लव स्टोरी हॉरर-कॉमेडी का तड़का

इ न दिनों हॉरर कॉमेडी फिल्मों बनाने को लेकर होड़ मची है। एक ओर निर्माता दिनेश विजन आठ हॉरर कॉमेडी फिल्में लेकर आ रहे हैं तो वहीं द भूतनी के निर्देशक सिद्धांत सचदेव कह चुके हैं कि इसे वह फ्रेंचाइजी में तब्दील करेंगे। हालांकि इसे यूनिवर्स में तब्दील करने के बारे में उन्हें तब सोचना चाहिए, जब फिल्म दर्शकों को पसंद आए।

द भूतनी की क्या कहानी है?

कहानी शुरू होती है दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट विसेंट कॉलेज की, जिसमें वर्जिन ट्री है। उसकी पूजा हर वैलेंटाइन्स डे को वे प्रेमी करते हैं, जो सच्ची मोहब्बत को पाना चाहते हैं। उसके पास ही एक और पेड़ है, जिससे शांतनु (सनी सिंह) वर्जिन ट्री समझकर सच्ची मोहब्बत मांगता है।

बदले में उसे मोहब्बत (मौनी रॉय) मिलती है, लेकिन वह शांतनु के अलावा किसी को नजर नहीं आती, क्योंकि वो भूतनी है। कॉलेज में हो रही पैरानॉर्मल एक्टिविटी की वजह से घोस्ट हंटर और पैराफिजिसिस्ट डॉक्टर कृष्णा त्रिपाठी (संजय दत्त) को बुलाया जाता है। आगे किसे सच्ची मोहब्बत मिलती है, किसे नहीं? उसके लिए फिल्म देखनी होगी।

फिल्मकार करण जोहर ने कॉलेज की एक दुनिया दर्शकों को दिखाई थी, जिसमें फैशन,

बदल गया भूत भगाने का तरीका



फैशन और फैशन था। पढ़ाई-लिखाई की कोई बात नहीं थी। ऐसा ही कॉलेज द भूतनी में है, लेकिन यह करण के कॉलेज का सस्ता वर्जन है, फैशन कम, लेकिन पढ़ाई यहां भी नहीं होती। पौधे लगाना, दीवारों पर पेंटिंग करना है, वर्जिन ट्री की पूजा करना, टूटते तारे को देखकर विश मांगने वाला काम चलता है।

कॉलेज में आत्महत्याएं हो रही हैं, लेकिन कोई केस या उसकी खोजबीन की बात नहीं। कॉलेज का मैनेजमेंट भी बस भूत पकड़ने वाले

को लाकर बिठा देता है। फिल्म के अनुसार, निर्देशक सिद्धांत सचदेव ने नया कॉन्सेप्ट लाने की कोशिश की है, लेकिन उनकी और वंकुश अरोड़ा का खराब स्क्रीनप्ले फिल्म को न कॉमेडी न हॉरर, कोई दिशा नहीं देता है।

फिल्म में संजय जब भूतों को भगाकार पूछते हैं कि कैसा लगा? इस पर वहां मौजूद व्यक्ति कहता है कि ऐसा लगा जैसे नागिन सीरियल की शूटिंग लाइव देखकर आ रहा हूं। वैसा ही हाल फिल्म का है। हालांकि,

फिल्म के डायलॉग्स बीच-बीच में कॉमेडी का तड़का लगाते हैं। अमर मोहिले का बैकग्राउंड स्कोर हॉरर फिल्म के अनुसार दमदार नहीं है।

फिल्म द भूतनी में क्या नया है?

फिल्म में बस नयापन यह है कि भूतों को भगाने के लिए हनुमान चालीसा की बजाय शिव तांडव का प्रयोग है। भूत पकड़ने वाला मॉडर्न तान्त्रिक है, जो विज्ञान की मदद से भूतों को पकड़ता है। साल्ट बुलेट से लेकर लोहे से बने हथियार तक सब रखता है, जैसा जिस भूत को मारने में काम आए। फिल्म के गाने ऐसे नहीं जो आप थिएटर से बाहर निकलने पर गुनगुनाएं।

अभिनय की बात करें तो मौनी रॉय अपने चिरपरिचित अंदाज में हैं। उन पर भूतनी, नागिन जैसे रोल सूट करते हैं। कॉमेडी में माहिर सनी सिंह को हॉरर कॉमेडी रास नहीं आई। पलक तिवारी का रोल भी आधा अधूरा सा है। निक और आसिफ खान अपने चुटकुले संवादों से मुस्कान लाते हैं। भूत पकड़ने वाले मॉडर्न बाबा के रोल में संजय दत्त स्वैग तो खूब दिखाते हैं, लेकिन स्क्रीनप्ले कमजोर हो, तो वह भी क्या कर सकते थे। अगर आपको हॉरर कॉमेडी पसंद है तो यह मूवी देखने जरूर जाएं।

विनीत कुमार सिंह के घर आने वाला है नन्हा मेहमान

प्रेग्नेंट पत्नी संग शेयर की फोटो

सा ल 2018 में फिल्म मुक्काबाज से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता विनीत कुमार सिंह आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अपनी एक्टिंग के दम पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने कदम जमाए हैं। उनकी लास्ट दो रिलीज फिल्मों को ऑडियंस का बेशुमार प्यार मिला है। फरवरी में रिलीज हुई फिल्म 'छावा' में जहां अभिनेता ने कवि कलश बनकर अपनी कविता बोलने के अंदाज से सबका दिल जीता।

वहीं उनकी इस महीने ही रिलीज हुई फिल्म जाट में अभिनेता ने रणदीप हुड्डा के छोटे भाई सोमुलू का किरदार अदा किया, जो सनी देओल की फिल्म में एक खूंखार विलेन बने हैं। प्रोफेशनल लाइफ में लगातार सक्सेस की ऊंचाई छू रहे विनीत कुमार की निजी जिंदगी में भी अब खुशियों ने दस्तक दी है। अभिनेता जल्द ही दो से तीन होने वाले हैं, जिसकी खुशी उन्होंने फैस के साथ कुछ प्यार भरी तस्वीरों के साथ शेयर की।

हम तुम्हारा स्वागत करने के लिए तैयार हैं

छावा के कवि कलश उर्फ विनीत कुमार सिंह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी जिंदगी में आने वाले नन्हें मेहमान के बारे में जानकारी शेयर करते हुए फोटो पोस्ट की। पहली फोटो में उन्होंने जहां अपनी पत्नी रुचिरा सिंह के बेबी बंप पर हाथ रखा हुआ है, वहीं एक अन्य फोटो में बॉडीकॉन ड्रेस में अभिनेता की वाइफ पेट पर हाथ रखकर बड़े ही प्यार से उसे निहार रही हैं।

एक अन्य तस्वीर में विनीत ने पत्नी के बेबी बंप पर हाथ रखा हुआ है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रुचिरा के साथ पूरी फोटो सीरीज शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए विनीत कुमार सिंह ने कैप्शन में लिखा, नई जिंदगी और यूनिवर्स के प्यार के साथ मिला भगवान का आशीर्वाद, बेबी जल्द आ रहा है। नमस्ते, लिटिल वन, हम आपका स्वागत करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

विनीत कुमार की तस्वीरों पर फैस और सितारों ने लुटाया प्यार

जाट एक्टर ने जैसे ही ये खुशी सोशल मीडिया पर अपने फैस के साथ शेयर की, कमेंट बॉक्स में बधाई का तांता लग गया। सितारों ने भी अभिनेता को उनकी जिंदगी में आने वाली इस खुशी के लिए बधाई दी। कपिल शर्मा शो के मशहूर गुलाटी उर्फ सुनील गोवर ने लिखा, बधाइयां और इसके साथ उन्होंने बैलून वाला इमोजी शेयर किया।

इसके अलावा ब्रीद एक्टर अमित साध ने लिखा, ये सबसे बड़ी न्यूज है। ज्वेल थीफ एक्टर कुणाल कपूर ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई मेरे दोस्त। इन सितारों के अलावा निर्देशक जोया अख्तर, एक्टर राघव जुयाल, एक्ट्रेस रिद्धि तिवारी, आकांक्षा सिंह सहित कई सितारों ने उन्हें बधाई दी।



फिल्म केसरी चैप्टर 2 ने तोड़ा जाट का रिकॉर्ड



लेकिन उसका अंत हमेशा बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ही करते हैं, इस बार का प्रमाण मिल गया है। सनी देओल की 'जाट' ने इंडिया और विदेशों दोनों ही जगह केसरी चैप्टर 2 से अच्छी ओपनिंग ली थी, लेकिन अब बॉक्स ऑफिस की रस में खिलाड़ी कुमार की फिल्म आगे निकल चुकी है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म भले ही जाट को पीछे नहीं छोड़ पाई, लेकिन वर्ल्डवाइड कलेक्शन में मात दे दी है। केसरी चैप्टर 2 का कलेक्शन बीते दिन मंगलवार को तकरीबन 112 करोड़ के आसपास था। हालांकि, बुधवार को ये कमाई 3 करोड़ तक बढ़ा। सैकनलिक.कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, केसरी चैप्टर 2 ने रिलीज के 13वें दिन तकरीबन 116.3 करोड़ रुपए की कमाई की है, जबकि जाट 21 दिनों में बस 115 करोड़ ही कमा पाई है।

बेहूदा पब्लिसिटी नहीं... पब्लिकली वॉर्डरोब मालफंक्शन का शिकार हुई हुनर हाली



पॉ पुलर टेलीविजन एक्ट्रेस हुनर हाली बीते दिनों अपनी दोस्त सारा अरफीन के घर गई थीं। एक्ट्रेस अपनी ड्रेस ठीक कर रही थीं जब पैपस ने उन्हें अपने कैमरे में कैद कर लिया। उनका ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हुआ।

मेरी सहमति के बिना बनाई वीडियो

एक तरफ जहां कुछ लोग इस तरह के वीडियो वायरल करने के लिए पैपस की आलोचना करते नजर आए। वहीं कुछ ने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया। अब हुनर ने ट्रोलस को कारा जवाब दिया है। हुनर ने ईटाइम्स को बताया कि वीडियो

उनकी सहमति के बिना शूट किया गया था और बाद में अनावश्यक रूप से सनसनीखेज बनाया गया। एक्ट्रेस ने कहा- यह एक ह्यूमन एलिमेंट है और इस तरह की अप्रत्याशित घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। मेरी सहमति के बिना इस तरह के वीडियो को कैप्चर करना और स्कूलेट करना गलत है। मेरे शरीर पर गलत तरीके से फोकस करना और अनुचित रूप से ध्यान केंद्रित कराना पैपराजी का व्यक्तिगत निर्णय था। घटना क्या थी? हॉल्टर टॉप का एक कप ही निकल गया, बस इतना ही, लेकिन इसे अनावश्यक रूप से सनसनीखेज बनाया गया।

मैनेजर ने की थी डिलीट करने की रिक्स्ट

12/24 करोल बाग फेम एक्ट्रेस ने सवाल उठाया कि अगर उन्हें लगा कि यह एक चूक थी, तो पैपस ने इसे अपने पेज पर क्यों पोस्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके मैनेजर ने कई मीडिया और पैप पेजों से अनुरोध किया कि वे अपने सोशल मीडिया हैंडल से वीडियो हटा दें, और उन्होंने ऐसा किया भी। हालांकि कुछ लोगों से कहने के बावजूद उन्होंने इसे हटाया नहीं।

एक्ट्रेस ने पैपस को किया ट्रोल

हुनर ने कहा कि अगर मुझे ये सब पब्लिसिटी के लिए ही करना होता तो मैं इसे सोशल मीडिया

से हटवाती क्यों? मेरे फैस ने मेरा काम देखा है। मैंने कभी भी स्क्रीन पर ऐसा कुछ बोल ड काम नहीं किया है। मैं हुनर हाली हूँ, जिसने कभी भी ऑन-स्क्रीन या ऑफ-स्क्रीन न्यूडिटी नहीं की है। यही वजह है कि मेरे फैस ने मुझे सपोर्ट किया और वीडियो पोस्ट करने के लिए पैपस की आलोचना की। हुनर हाली लगभग दो दशकों से टेलीविजन इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। वह टीवी के कुछ सबसे पॉपुलर सीरियलों का हिस्सा रही हैं जिनमें ससुराल गेंदा फूल, थपकी प्यार की, पटियाला बेब्स, छूना है आसमान आदि शामिल हैं।



हिंदी फिल्मों के विलेन गैविन पैकर्ड की बेटी

एरिका पैकर्ड के साथ मस्ती करती दिखीं कैटरीना कैफ

बॉ लीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में वह स्टंट बेस्ड एरिका पैकर्ड के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों में दोनों के बीच प्यारी बान्धिंग देखने को मिल रही है। दोनों काफी मस्ती करती दिख रही हैं।

दरअसल, इन तस्वीरों को एरिका पैकर्ड ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- मैं वैसे बीटीएस टाइप की लड़की नहीं हूँ, लेकिन इनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। एरिका का कहना है कि वह आम तौर पर बिहाइंड द सीन मोमेंट में कोई रुचि नहीं रखती, लेकिन कैटरीना से मिलना उनके लिए बेहतरीन अनुभव रहा। आपको बता दें कि एरिका पैकर्ड हिंदी फिल्मों के मशहूर विलेन गैविन पैकर्ड की बेटी हैं, जिन्होंने 90 के दशक में चमत्कार, तड़ीपार, मोहरा, ये है जलवा जैसी कई फिल्मों में काम

किया था। गैविन पैकर्ड का साल 2012 में निधन हो गया। एरिका नामी मॉडल हैं। उन्होंने कई बड़े डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक किया है। यही नहीं, वह कई विज्ञापनों का भी हिस्सा रही हैं। एक विज्ञापन में वह रणबीर कपूर के साथ भी नजर आई थीं।

वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को डेट किया था। दोनों करीब 10 साल तक एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में रहे। वहीं कैटरीना कैफ के बारे में बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में नजर आई थीं, जिसमें वह विजय सेतुपति के साथ लीड रोल में थीं। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इससे पहले वह सलमान खान के साथ टाइगर 3 में नजर आई थीं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो कैटरीना ने एक्टर विकी कौशल से 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सर्वाई माधोपुर में शादी की थी। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में थे।



येलो टॉप में मोनालिसा ने कराया फोटोशूट

भो जपुरी इंडस्ट्री और टीवी इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाने वाली टॉप एक्ट्रेस मोनालिसा अपने ग्लैमरस लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। डांस और अपने यूनिक स्टाइल के चलते वह सोशल मीडिया पर खूब छाई रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपना लेटेस्ट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में मोनालिसा येलो कलर के क्रॉप टॉप और ब्लू डेनिम जींस में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने लुक को खास बनाने के लिए लाइट मेकअप किया हुआ है। फैस को उनका ये लुक काफी पसंद आ रहा है। तस्वीरों में वह अपने दोस्तों के साथ नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में हार्ट इमोजी का इस्तेमाल किया है। फैस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- आप हमारे दिलों की रानी हो, दूसरे यूजर ने लिखा- क्या लग रही हो आप, अन्य यूजर ने लिखा- तुम लाखों में एक हो, वर्कफ्रंट की बात करें तो मोनालिसा इन दिनों सुपरनैचुरल शो श्मशान चंपा में मोहिनी का किरदार निभा रही हैं। श्मशान चंपा टेलीविजन की पसंदीदा डायन मोनालिसा को उनके सबसे पसंदीदा अवतार में वापस लाता है, इससे प्रशंसकों में उत्साह देखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। उन्होंने भोजपुरी फिल्म हो या टीवी इंडस्ट्री, सभी में तहलका मचाया हुआ है। उन्होंने टीवी सीरियल नजर में डायन का किरदार निभाया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, उन्होंने नमक इश्क का, बेकाबू, लाल बनारसी, आखिरी दास्तान जैसे शो में भी काम किया।



जातीय जनगणना पर बोले जीतन राम मांझी

विरोधी चिल्लाते हैं...नरेंद्र मोदी करते हैं

गया (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को गया शहर के गोदावरी मोहल्ले में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की विपक्षी पार्टियां केवल चिल्लाने का काम करती हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काम करके दिखाते हैं।
जातीय जनगणना के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि देश के कई राजनीतिक दलों की लंबे समय से यह मांग रही है।
एक वर्ष पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सर्वदलीय बैठक कर प्रधानमंत्री से मुलाकात की गई थी। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया था कि यदि राज्य चाहे तो अपने स्तर पर जातीय जनगणना करा सकता है। इसके बाद बिहार



सरकार ने जनगणना करवाई और अन्य राज्यों ने भी इस दिशा में कदम उठाया।
अब केंद्र सरकार ने खुद जातीय जनगणना कराने का निर्णय लिया है, जो कि एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम है। मांझी ने कहा कि देश में कुछ तबके ऐसे हैं जिनकी जनसंख्या अधिक है, लेकिन उन्हें उनकी संख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व और हिस्सेदारी नहीं मिल रही है।

उन्होंने कहा कि जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी अब यही सच्चाई सामने लाई जाएगी।
इस जनगणना से हर वर्ग को नौकरी, विकास और राजनीति में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व मिलेगा, जो सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम होगा। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि अब कुछ लोग कह रहे हैं कि 30 वर्षों से हमारी मांग थी। मैं पूछता हूँ कि क्या नरेंद्र मोदी 2014 से पहले केंद्र में थे? तब किसका शासन था? वो लोग सिर्फ चिल्लाते रहे, नरेंद्र मोदी ने काम करके दिखाया। अब वे झूठा श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।
पाकिस्तान के मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर जीतन राम मांझी ने कहा कि हाल की सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत को 11 में से 9 देशों का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ मुस्लिम राष्ट्र भी खड़े हैं, हालांकि कुछ देशों का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी हर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और देश की सेना को पूरी छूट दे दी गई है। सही समय पर कार्रवाई के परिणाम सामने आएंगे।
बिहार विधानसभा चुनाव से

पहले जातीय जनगणना आने के सवाल पर मांझी ने कहा कि यह एक अच्छी और जरूरी पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे किसी चुनावी लाभ के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दृष्टि से उठाया है।
प्रशांत किशोर पर टिप्पणी करते हुए मांझी ने कहा कि क्या वो कोई राजनीतिक नेता हैं? वह सिर्फ एक चुनावी रणनीतिकार हैं, जो पैसे लेकर चुनाव प्रचार और प्रबंधन करते हैं। बिहार उपचुनाव में उनका चेहरा साफ हो गया। गांधी मैदान में उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी, फिर भी पूरी तरह फ्लॉप रहे। मांझी ने सलाह दी कि प्रशांत किशोर को मैनेजमेंट और प्रचार तक ही सीमित रहना चाहिए, राजनीति में नहीं आना चाहिए।

पहले जातीय जनगणना आने के सवाल पर मांझी ने कहा कि यह एक अच्छी और जरूरी पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे किसी चुनावी लाभ के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दृष्टि से उठाया है।
प्रशांत किशोर पर टिप्पणी करते हुए मांझी ने कहा कि क्या वो कोई राजनीतिक नेता हैं? वह सिर्फ एक चुनावी रणनीतिकार हैं, जो पैसे लेकर चुनाव प्रचार और प्रबंधन करते हैं। बिहार उपचुनाव में उनका चेहरा साफ हो गया। गांधी मैदान में उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी, फिर भी पूरी तरह फ्लॉप रहे। मांझी ने सलाह दी कि प्रशांत किशोर को मैनेजमेंट और प्रचार तक ही सीमित रहना चाहिए, राजनीति में नहीं आना चाहिए।

नालंदा में स्वर्ण कारोबारी से लूट का खुलासा

भाई का दोस्त निकला लाइनर, तीन गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।
नालंदा जिले में एक स्वर्ण व्यवसायी से हुई लूट के मामले का पुलिस ने महज तीन घंटे में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस कांड में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और लूटे गए सभी आभूषण भी बरामद कर लिए गए हैं।
डीएसपी सदर नुरुल हक ने बताया कि 30 अप्रैल की रात करीब 8 बजे लहेरी थानाध्यक्ष को गश्त के दौरान कोनासराय में भीड़ देखकर संदेह हुआ। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि एक युवक से आभूषणों की लूट हुई है।
पीड़ित अंशु कुमार (15 वर्ष), निवासी नीमगंज, ने बताया कि उसका भाई सोनू कुमार पंडित गली में आभूषण की दुकान चलाता है। वह राजगीर से ग्राहकों के लिए एक जोड़ा सोने का झुमका, एक जोड़ी टॉप्स और एक जोड़ी चांदी की पायल लेकर लौट रहा था, तभी चार युवकों ने उसे घेर लिया, मारपीट की और आभूषण लूट लिए।
लहेरी थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए

छापेमारी कर तीन आरोपियों दीपू कुमार (24), सिट्टू कुमार (22) और राहुल कुमार (20) को गिरफ्तार कर लिया। दीपू को कमरूहीनगंज से जबकि सिट्टू और राहुल को बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन से भागने की कोशिश के दौरान दबोचा गया।
पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। उन्होंने बताया कि सिट्टू कुमार का 13 वर्षीय छोटा भाई, जो पीड़ित सोनू कुमार का दोस्त है, उसने ही सोनू की आवाजाही और आभूषण लाने-जाने की जानकारी दी थी। पुलिस अब इस नाबालिग की भूमिका की भी जांच कर रही है।
बरामद आभूषणों में एक जोड़ी लड़ी वाला टॉप्स, एक गोल टॉप्स और एक जोड़ी चांदी की पायल शामिल है।
गिरफ्तार तीनों आरोपी दीपू, सिट्टू और राहुल नवनीत कुमार के पुत्र हैं और कमरूहीनगंज, थाना लहेरी, जिला नालंदा के निवासी हैं। छापेमारी टीम में लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक के नेतृत्व में थाना की सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की दर्दनाक मौत, एक की हालत गंभीर

मुंगेर(एजेंसियां)।
मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को पहले मुंगेर सदर अस्पताल लाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
जानकारी के अनुसार, औड़ाबगीचा मोहनपुर गांव के निवासी रवीश कुमार, रूपेश कुमार और राजकुमार एक ही बाइक पर सवार होकर घर से निकले थे। उन्होंने इसकी जानकारी अपने परिजनों को नहीं दी थी। कुछ घंटे बाद सूचना मिली कि तीनों युवक औड़ाबगीचा-वनवर्षा मुख्य पथ पर गंगापुर के पास स्थित शिशुआ आहार के समीप सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े हैं।
सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और तीनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने रवीश कुमार (25) और रूपेश कुमार (20) को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजकुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल रेफर किया गया। वहां से उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि तीनों युवक मजदूरी करते थे और सभी शादीशुदा थे। मृतक रूपेश कुमार की एक साल पहले शादी हुई थी और उसका तीन माह का एक बेटा है। वहीं, रवीश कुमार की शादी पांच साल पहले हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। वह प्रदेश में मजदूरी करता था और दो दिन पहले ही गांव लौटा था।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों युवक बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी शिशुआ आहार के पास बिजली के पोल से बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही दो की जान चली गई।
ग्रामीण पुबेंदु नारायण सिंह ने बताया कि यह हमारे गांव के लिए बहुत दुखद घटना है। दो परिवारों के चिराग बुझ गए हैं। तीनों युवक मेहनतकश थे और रोजी-रोटी के लिए मजदूरी करते थे।
घटना की जानकारी मिलते ही धरहरा थानाध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्पताल भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जहानाबाद में बरातियों से भरी कार पेड़ से टकराई, एक की मौत, पांच घायल

जहानाबाद (एजेंसियां)।
जहानाबाद जिले के हुलासगंज थाना क्षेत्र में बुधवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बरातियों से भरी एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।
मृतक की पहचान गया जिले के भोरी-बालापर गांव निवासी 70 वर्षीय नरेश पासवान के रूप में हुई है। घायल रंजीत पासवान, शिवकुमार पासवान, राजेंद्र पासवान, नीरज कुमार और रामविलास पासवान को प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया है। इनमें दो की हालत



नाजुक बनी हुई है।
मिली जानकारी के अनुसार, बरात भोरी-बालापर गांव से घोसी थाना क्षेत्र के धामपुर जा रही थी। तभी पुरानी प्रखंड कार्यालय के समीप चालक ने

घोषित कर दिया। अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है।
जिले के कल्या थाना क्षेत्र अंतर्गत नीम खेरा गांव में एक विवाह समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शुक्रवार देर शाम समधी मिलन कार्यक्रम के दौरान हुई। गोली लगने से घायल युवक की पहचान दुर्गेश कुमार के रूप में हुई है, जिसे आनन-फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।
बरात ओकरी थाना क्षेत्र के सकदौहा गांव से नीम खेरा आई थी और गांव के सामुदायिक भवन में ठहरी थी। समधी मिलन समारोह के दौरान डीजे पर नाच-

गाना चल रहा था, तभी अचानक किसी ने खिड़की की ओर से गोली चला दी। गोली सीधे दुर्गेश कुमार को जा लगी, जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई। दुर्गेश के पिता राम विनय कुमार ने बताया कि उनका बेटा डीजे पर नाच रहा था, तभी यह घटना घटी।
उन्होंने बताया कि गोली अचानक कहाँ से आई, किसी को कुछ समझ में नहीं आया। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. ए.के. नंदा के अनुसार, युवक के शरीर पर गोली के कई निशान हैं। एक्स-रे जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि गोली शरीर के किन-किन हिस्सों में लगी है और उसकी स्थिति कितनी गंभीर है।

नेपाल जा रहा तेल टैंकर अनियंत्रित होकर पलटा बाल्टी लेकर पहुंच गए ग्रामीण, लूटने की मची होड़

मोतिहारी (एजेंसियां)।
छपवा-रक्सौल मुख्य मार्ग पर बुधवार की अहले सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। कोलकाता से नेपाल के बीरगंज जा रहा एक तेल टैंकर अनियंत्रित होकर बंगरा गांव के समीप सड़क से नीचे खेत में पलट गया। हादसा उस वक्त हुआ जब टैंकर चालक ने अचानक सामने आए एक ट्रैक्टर को बचाने के प्रयास में इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया।
टैंकर में सोयाबीन का कच्चा तेल भरा हुआ था। टैंकर पलटते ही उसमें से तेल का रिसाव शुरू हो गया। सुबह-सुबह घटना की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। देखते ही देखते बंगरा सहित आसपास के गांवों से लोग बाल्टी, डब्बा, केन और बोतलें लेकर पहुंच गए और तेल भरने में जुट गए।
मौके पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी।



महिलाएं, बच्चे और पुरुष सभी तेल लूटने में शामिल हो गए। कुछ

लोग तो दोपहिया और तीनपहिया वाहनों पर ड्रम तक लेकर पहुंच

गए। खेत की मिट्टी तेल से गीली हो चुकी थी, जिससे कई लोग फिसलकर गिर भी पड़े, लेकिन किसी ने इसकी परवाह नहीं की।
टैंकर चालक मोहम्मद शाजिद खान, जो पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं, ने बताया कि वह कोलकाता से बीरगंज के लिए सोयाबीन का कच्चा तेल लेकर निकले थे। बंगरा के पास अचानक एक ट्रैक्टर सामने आ गया। उसे बचाने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगाना पड़ा, जिससे टैंकर पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।
घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। टैंकर के आसपास बैरिकेडिंग कर भीड़ को हटाया गया, लेकिन तब तक बड़ी मात्रा में तेल लूटा जा चुका था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है

और तेल से आग लगने की आशंका को ध्यान में रखते हुए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।
घटना की सूचना संबंधित तेल कंपनी को भी दे दी गई है। प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई है। माना जा रहा है कि हादसे की वजह सड़कों पर ट्रैफिक का अव्यवस्थित संचालन और सतर्कता की कमी है। टैंकर पलटने और उसके बाद हुई लूट की घटना ने प्रशासनिक तैयारी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।
इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में कानून व्यवस्था और सामाजिक चेतना को लेकर चिंता बढ़ा दी है। किसी भी आपदा या दुर्घटना के समय जहां मदद और संयम की आवश्यकता होती है, वहां ग्रामीणों द्वारा लूट जैसी हरकत करना चिंताजनक सामाजिक प्रवृत्ति को दर्शाता है। यह विषय गंभीर विचार और जन-जागरूकता की मांग करता है।

विधायक रीतलाल यादव को बेऊर से भागलपुर सेंट्रल जेल किया गया शिफ्ट

पटना (एजेंसियां)।
दानापुर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक रीतलाल यादव को पटना के बेऊर जेल से हटाकर भागलपुर सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है। बाहुबली छवि वाले विधायक रीतलाल यादव पर एक बिल्डर से रंगदारी मांगने का आरोप है। इस मामले में पटना पुलिस ने उनके आवास पर छापेमारी की थी।

इस दौरान कई अहम दस्तावेजों के साथ लाखों रुपये नकद भी बरामद किए गए थे। कार्रवाई के दौरान पटना जिला पुलिस की एक हजार से अधिक की फोर्स, एसटीएफ और राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम भी शामिल थी। छापेमारी रीतलाल यादव के आवास समेत कई ठिकानों पर की गई, जिससे इलाका छावनी में तब्दील हो गया था।पुलिस के दबाव के बाद राजद

विधायक रीतलाल यादव, उनके भाई टिकू और साला पिकू समेत कई लोगों ने दानापुर अनुमंडल न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए पटना के बेऊर जेल में रखा था।
अब सुरक्षा कारणों से या प्रशासनिक निर्णय के तहत उन्हें बेऊर जेल से भागलपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट कर दिया गया है।

हथियार के बल पर 3.92 लाख की लूट, एक अपराधी पकड़ा गया

सीवान (एजेंसियां)।
सीवान जिले के मैरवा थाना क्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े हथियार के बल पर 3.92 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया गया। अपराधियों ने एक सीएसपी संचालक को निशाना बनाया। हालांकि, भागते समय ग्रामीणों ने एक अपराधी को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी फरार हो गया।
घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मैरवा थाना क्षेत्र के गृहनी रोड स्थित सीएसपी सेंटर पर नीरज कुमार सिंह रोजाना की तरह काम कर रहे थे। तभी दो अपराधी अपाची बाइक पर सवार होकर वहां पहुंचे और बंदूक की नोक पर 3 लाख 92 हजार रुपये लूट लिए।
अपराधी हथियार लहराते हुए फरार होने लगे, लेकिन उसी दौरान सामने से गुजर रहा एक राहगीर जो गोरखपुर का रहने वाला बताया जा रहा है, उसने



बहादुरी दिखाते हुए एक अपराधी को दबोच लिया।
वहीं, शोर सुनकर आसपास के लोग भी जुट गए और भाग रहे दूसरे अपराधी ने पैसा फेंककर अपनी जान बचाई और बाइक लेकर फरार हो गया। पकड़े गए अपराधी को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पीड़ित सीएसपी संचालक की पहचान नीरज कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो गृहनी रोड पर सीएसपी सेंटर चलाते हैं। इस घटना के बाद इलाके में

दहशत का माहौल बना हुआ है। मैरवा थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित एक दिन पहले ही बैंक से रकम निकालकर लाए थे और सीएसपी सेंटर में रखे थे। उसी दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। थाना प्रभारी ने पुष्टि की कि एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी निशानदेही पर फरार साथी की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

